www.railsamacharbureauald.com
सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

''आपकी यात्र तभी सुखद है जब आपका सहयात्री भी साफ-सफाई का ध्यान रखे। सफर में स्वच्छता व्यक्तिगत पसंद नहीं, बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है।''

''गंदगी सिर्फ आँखों को नहीं चुभती, वह पूरे देश की छवि को धुँधला करती है। रेल में स्वच्छता बनाए रखकर, हम राष्ट्र के प्रति अपना प्रेम दर्शाते हैं।''

वर्ष-35 अंक:21 रेल समाचार ब्यूरो प्रयागराज 01-15 नवंबर 2025 पृष्ठ 08, मूल्य:20 रु. मात्र. डाक खर्च (रंगीन सहित)

यात्रियों की सुविधा में बड़ा विस्तार-

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश भर के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 76 यात्री आवास क्षेत्र विकसित करने की योजना को मंजूरी दी

सूत्र/रे.स.ब्यू-केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव ने देश भर के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 76 यात्री आवास क्षेत्र (होल्डिंग एरिया) विकसित करने की योजना को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्री आवास क्षेत्र की सफलता के बाद लिया गया है।

देश भर में नियोजित यात्री आवास क्षेत्रों में आधुनिक सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी और इनका स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार निर्माण किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने निर्देश दिया है कि सभी यात्री आवास क्षेत्र 2026 के त्यौहारी सीजन से पहले ही पूरे हो जाने चाहिए।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन ने दिवाली और छठ के दौरान यात्रियों की अत्यधिक भीड़ को अपने नए विकसित यात्री आवास क्षेत्र की मदद से प्रबंधित किया। इसे चार महीने की के भीतर तैयार किया गया। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधा केंद्र (स्थायी होल्डिंग एरिया) को किसी भी समय लगभग 7,000 यात्रियों को समायोजित करने के लिए डिजाइन किया गया है, इसमें प्री-बोर्डिंग सुविधा और यात्री आने में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यात्रियों की आवाजाही को सुव्यवस्थित करने के लिए इस सुविधा को रणनीतिक रूप से तीन क्षेत्रों - टिकटिंग, पोस्ट-टिकटिंग और प्री-टिकटिंग-में बांटा गया है। नई दिल्ली स्टेशन का होल्डिंग एरिया 7,000 से अधिक यात्रियों को समायोजित कर सकता है और यहां पुरुषों और महिलाओं के लिए 150-150 शौचालय, टिकट काउंटर, स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें और मुफ्त शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध है।

76 स्टेशनों की सूची:

क्र.सं.	क्षेत्रीय रेलवे	रेलवे स्टेशन का नाम	संख्या
1	सेंट्रल	मुंबई सीएसएमटी, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, नागपुर, नासिक रोड, पुणे, दादर	6
2	पूर्वी	हावड़ा, सियालदह, आसनसोल, भागलपुर, जसीडीह	5
3	पूर्व मध्य	पटना, दानापुर, मुजफ्फरपुर, गया, दरभंगा, पं. दीन दयाल उपाध्याय	6
4	पूर्वी तट	भुवनेश्वर, विशाखापत्तनम, पुरी	3
5	उत्तरी	नई दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल, हजरत निजामुद्दीन, दिल्ली, गाजियाबाद, जम्मू तवी, श्री माता वैष्णो देवी कटरा, लुधियाना, लखनऊ (एनआर), वाराणसी, अयोध्या धाम, हरिद्वार	12
6	उत्तर मध्य	कानपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, मथुरा, आगरा कैंट।	4
7	उत्तर पूर्वी	गोरखपुर, बनारस, छपरा, लखनऊ जं. (एनईआर)	4
8	पूर्वोत्तर सीमांत	गुवाहाटी, कटिहार	2
9	उत्तर पश्चिमी	जयपुर, गांधी नगर जयपुर, अजमेर, जोधपुर, रींगस	5
10	दक्षिण	एमजीआर चेन्नई सेंट्रल, चेन्नई एग्मोर, कोयंबटूर जंक्शन, एर्नाकुलम जंक्शन।	4
11	दक्षिण मध्य	सिकंदराबाद, विजयवाड़ा, तिरूपति, गुंटूर, काचीगुडा, राजमुंदरी	6
12	दक्षिण पूर्वी	रांची, टाटा, शालीमार	3
13	दक्षिण पूर्व मध्य	रायपुर	1
14	दक्षिण पश्चिमी	एसएमवीटी बेंगलुरु, यशवंतपुर, मैसूरु, कृष्णराजपुरम	4
15	वेस्टर्न	मुंबई सेंट्रल, बांद्रा टर्मिनस, उधना, सूरत, अहमदाबाद, उज्जैन, वडोदरा, सीहोर	8
16	पश्चिम मध्य	भोपाल, जबलपुर, कोटा	3

रेलवे स्टेशनों पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का लोकार्पण एवं जयपुर-असारवा एक्सप्रेस के सभी वातानुकुलित श्रेणी के यात्रियों के लिए कंबल कवर की सुविधा का शुभारंभ, खातीपुरा (जयपुर) से माननीय रेलमंत्री द्वारा किया गया शुभारंभ।

सूत्र/रे.स.ब्यू- श्री अश्विनी वैष्णव, माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार द्वारा उत्तर पश्चिम रेलवे पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का विस्तार करते हुए 65 छोटे एवं मध्यम स्टेशनों पर नए प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म उन्नयन एवं विस्तार तथा एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली का लोकार्पण एवं जयपुर-असारवा एक्सप्रेस के सभी वातानुकूलित श्रेणी के यात्रियों के लिए प्रिटेंड कंबल कवर की सुविधा का शुभारंभ दिनांक 16.10.2025, गुरूवार को खातीपुरा (जयपुर) पर आयोजित कार्यक्रम से किया गया ।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शशि किरण के अनुसार श्री अश्विनी वैष्णव, माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार द्वारा विभिन्न यात्री सुविधाओं का विस्तार करते हुए 65 छोटे एवं मध्यम स्टेशनों पर नए प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म उन्नयन एवं विस्तार तथा एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली का लोकार्पण एवं जयपुर-असारवा एक्सप्रेस के सभी वातानुकूलित श्रेणी के यात्रियों के लिए प्रिटेंड कंबल कवर की शुरूआत दिनांक 16.10.2025, गुरूवार को खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम से की गई।

रेलमंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने अपने उद्-बोधन में कहा कि उत्तर पश्चिम रेलवे के 65 छोटे एवं मध्यम स्टेशनों पर नए प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म उन्नयन एवं विस्तार तथा एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली की सुविधाओं का लोकापर्ण किया जा रहा है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में रेलवे क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हो रहा है और रेलवे क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता और मार्गदर्शन के कारण ही रेलवे क्षेत्र में इतने बड़े परिवर्तन संभव हो पाए हैं। कार्यक्रम के दौरान रेलमंत्री ने जयपुर -असारवा एक्सप्रेस के सभी वातानुकूलित श्रेणी के यात्रियों के लिए प्रायोगिक तौर पर प्रिटेंड कंबल कवर की सुविधा की भी शुरूआत की गई।

रेल मंत्रालय ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा सत्यनिष्ठा शपथ दिलाकर सतर्कता जागरुकता सप्ताह 2025 (27 अक्टूबर-2 नवंबर) की शुरुआत की।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेल मंत्रालय, केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के नेतृत्व में आयोजित राष्ट्रव्यापी सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अनुरूप, रेलवे बोर्ड में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 मना रहा है। इस सप्ताह का उद्देश्य लोक प्रशासन में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम की शुरुआत रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीआरबी), श्री सतीश कुमार द्वारा रेलवे बोर्ड के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को ईमानदारी की शपथ दिलाकर हुई। शपथ समारोह में मंत्रालय के विभिन्न निदेशालयों के वरिष्ठ अधिकारियों और पदाधिकारियों ने प्रत्यक्ष और आभासी रूप से भाग लिया। यह सप्ताह 27 अक्टूबर 2025 से 2 नवंबर 2025 तक चलेगा।

केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा अधिसूचित सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का विषय ''सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी'' है। यह विषय नैतिक आचरण, शासन में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त संगठन के निर्माण हेतु सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व पर जोर देता है। अपने संबोधन में, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने सुशासन को बढ़ावा देने में सतर्कता की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और सभी अधिकारियों से ईमानदारी, दक्षता और जनसेवा के मूल्यों को बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने पारदर्शिता को मजबूत करने और कदाचार की गुंजाइश कम करने के लिए भारतीय रेलवे द्वारा किए गए विभिन्न डिजिटल और प्रणालीगत सुधारों पर भी प्रकाश डाला।

सतर्कता जागरुकता सप्ताह 2025 का विषय ''सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी'' है, जो शासन में नैतिक आचरण और पारदर्शिता पर जोर देता है।

रेलवे बोर्ड के सतर्कता निदेशालय ने पूरे सप्ताह के दौरान कई गतिविधियों की योजना बनाई है, जिनमें सेमिनार, कार्यशालाएं, पोस्टर अभियान और इंटरैक्टिव सत्र शामिल हैं, जिनका उद्देश्य सार्वजनिक सेवा में निवारक सतर्कता और नैतिकता के बारे में जागरूकता फैलाना है।

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर मध्य रेलवे ने दर्ज किया प्रभावशाली प्रदर्शन: अक्टूबर 2025 तक लदान में 7.9% की वृद्धि और माल भाड़ा राजस्व अर्जन में उल्लेखनीय सुधार

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) जोन ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में अक्टूबर 2025 तक अपने माल लदान और उससे प्रतिफलित राजस्व में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की है। इसमें प्रारंभिक लोडिंग और अनलोडिंग में सुधार उल्लेखनीय है। यद्यपि उत्तर मध्य रेलवे एक मूलतः यात्री सेवा यातायात वाली रेल है और इस पर बहुतायत पासिंग माल परिवहन होता है पर एक कुशल योजना निर्माण, बेहतर ग्राहक सुविधा प्रयासों और उत्कृष्ट क्रियान्वयन द्वारा इस उपलब्धि को हासिल किया गया है।

उत्तर मध्य रेलवे ने अपने आरंभिक माल लदान के क्रम में अक्टूबर 2025 में, 1.652 मिलियन टन (एमटी) माल लदान दर्ज किया। यह पिछले वर्ष के इसी महीने अक्टूबर 2024 में 1.357 एमटी की तुलना में 21.7% की असाधारण वृद्धि है। इसी क्रम में अप्रैल-अक्टूबर 2025 तक वित्तीय वर्ष के लिए संचयी लदान 11.68 एमटी रहा। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि में हासिल किए गए लदान की तुलना में 7.9% की अच्छी वृद्धि है। यह इंक्रीमेंटल लोडिंग के क्रम में भारतीय रेल के समस्त जोनों की तुलना में तीसरा सबसे अच्छा प्रदर्शन है।

इस माल लदान में वृद्धि का सीधा असर माल लदान राजस्व में भी हुआ है और वर्तमान वित्त वर्ष के अक्टूबर 2025 के महीने तक कुल माल अर्जन 1313.61 करोड़ रही जबकि पिछले वर्ष यह 1201.97 करोड़ थी। यह यह प्रदर्शन 111.64 करोड़ की शुद्ध वृद्धि को दर्शाता है। यह 2024-25 की इसी अवधि की तुलना में 9.3% की वृद्धि है और यह वृद्धि भी भारतीय रेल का तीसरा सबसे बेहतर अर्जन प्रतिशत वृद्धि है।

इसी क्रम में जोन की आवक यातायात को संभालने की क्षमता भी अनलोडिंग की वृद्धि में परिलक्षित हुई है। वर्तमान वर्ष की संचयी अनलोडिंग के क्रम में उत्तर मध्य रेलवे ने 43.01 एमटी की अनलोडिंग की है। यह पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में हुई अनलोडिंग की तुलना में 10.6% का सुधार है जो संपूर्ण भारतीय रेल का दूसरा सबसे बेहतर प्रदर्शन है।

इस प्रदर्शन पर महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री नरेश पाल सिंह ने सभी संबंधित विभागों और कर्मियों को बधाई देते हुए और आगे भी प्रदर्शन बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि ''हमारे अक्टूबर के मासिक लदान में दोहरे अंकों की वृद्धि और माल भाड़ा अर्जन में लगभग 10% का सुधार हमारी टीम के समर्पण और हमारी ग्राहक-केंद्रित रणनीतियों की सफलता का प्रमाण है, और हम अपने वार्षिक लक्ष्यों को पार करने और कुशल एवं भरोसेमंद लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान करके राष्ट्र के आर्थिक विकास में योगदान जारी रखने के लिए इस गति को बनाए रखने के लिए

अनुरक्षण सुविधाओं को अधिक बेहतर बनाने के लिए भगत की कोठी (जोधपुर) में मैंटेनेंस डिपो के द्वितीय चरण का कार्य स्वीकृत

श्री अश्विनी वैष्णव, केन्द्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने 195 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे में अनुरक्षण सुविधाओं को बेहतर बनाने के कार्य वृहद् स्तर पर किए जा रहे हैं ताकि उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर यात्रियों को अधिकाधिक रेल सुविधाएं प्रदान की जा सकेगी। राजस्थान में रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर में बढ़ोतरी करने के क्रम में भगत की कोठी (जोधपुर) में अत्याधुनिक तकनीक युक्त स्लीपर वंदे भारत ट्रेनों के लिए वंदे भारत मैंटेनेंस डिपो का कार्य प्रगति पर है। अनुरक्षण सुविधाओं का विस्तार करने के क्रम में भगत की कोठी में मैंटेनेंस सह वर्कशॉप डिपो के कार्य के द्वितीय चरण को श्री अश्विनी वैष्णव, केन्द्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है। अनुरक्षण डिपो के विस्तार से भविष्य में अत्याधुनिक तकनीक युक्त स्लीपर वंदे भारत ट्रेनों का अनुरक्षण एक ही स्थान पर संभव हो सकेगा जिससे क्षेत्र में अधिक ट्रेनों का संचालन हो सकेगा और रेल कनेक्टिविटी का विस्तार होगा।

भगत की कोठी (जोधपुर) में स्लीपर वंदे भारत ट्रेनों के अनुरक्षण के लिए 167 करोड़ रूपए की लागत से वंदे भारत मैंटेनेंस डिपो के निर्माण कार्य का शिलान्यास माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 16 फरवरी 2024 को किया था तथा इसका निर्माण कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है। भगत की कोठी (जोधपुर) में अत्याधुनिक तकनीक युक्त स्लीपर वंदे भारत ट्रेनों के अनुरक्षण सुविधाओं का विस्तार करने के क्रम में माननीय रेल मंत्री द्वारा मैंटेनेंस सह वर्कशॉप डिपो के कार्य के द्वितीय चरण को 195 करोड़ रूपए की लागत के साथ स्वीकृति प्रदान की गई है। भगत की कोठी में मैंटेनेंस कम वर्कशॉप डिपो के द्वितीय चरण के कार्य में अनुरक्षण सुविधाओं के विस्तार में इंस्पेक्षन बे-लाइन पर कवर्ड शेड़, वृह्द कवर्ड वर्कशॉप क्षेत्र का विकास, ओएचई सुविधा युक्त पिट लाइन, पिट व्हील अनुरक्षण का विस्तार, सर्विस बिल्डिंगों का निर्माण इत्यादि का कार्य किया जाएगा।

मैंटेनेंस सह वर्कशॉप डिपो के निर्माण से लाभ :-

- एक ही स्थान पर अत्याधुनिक तकनीक युक्त स्लीपर वंदे भारत ट्रेनों के अनुरक्षण की सुविधा मिलेगी।
- अत्याधुनिक तकनीक के उपयोग से संरक्षा में बढ़ोतरी होगी।
- अनुरक्षण सुविधा बेहतर होने से अधिक ट्रेनों को संचालित करने की क्षमता में बढ़ोतरी।
- अधिक ट्रेनों के संचालन से क्षेत्र में रेल कनेक्टीविटी को मजबूती मिलेगी।
- प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अनेक तरह के रोजगारों का सृजन होगा।

छठ के सुरों संग वंदे भारत एक्सप्रेस की यात्रा बनी यादगार

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेल की सेमी हाई-स्पीड और आधुनिक सुविधाओं से लैस वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा ने एक बार फिर देशवासियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। छठ के पावन अवसर पर नई दिल्ली और पटना के बीच चलाई जा रही अनेक विशेष गाड़ियों में एक वंदे भारत एक्सप्रेस भी शामिल है, जिसने यात्रियों को छठ पर्व की भावना में डुबो दिया। शनिवार को विशेष वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे यात्रियों के लिए सफर का अनुभव और भी खास बन गया, जब ट्रेन में छठ के पारंपरिक गीतों की मधुर धुनें गूंज उठीं। भारतीय रेल की इस पहल ने छठ पूजा के अवसर पर पारंपरिक लोकगीतों की मनमोहक धुनें बजाकर यात्रियों को अपने घर-परिवार और संस्कृति से भावनात्मक रूप से जोड़ दिया। छठ पर्व पर घर लौट रहे यात्रियों का उत्साह और आनंद इस दौरान कई गुना बढ़ गया।

वंदे भारत एक्सप्रेस अपनी रफ्तार के साथ-साथ अपनी आधुनिक सुविधाओं के लिए भी जानी जाती है। इसके कोच यात्रियों को एयरलाइंस जैसी सुविधा और आराम का अनुभव कराते हैं। ट्रेन में ऑटोमेटिक स्लाइडिंग दरवाजे, आरामदायक सीटें, फोल्डेबल स्नैक टेबल, प्रत्येक सीट पर चार्जिंग प्वाइंट, आधुनिक बायो-टॉयलेट, इंफोटेनमेंट सिस्टम और GPS आधारित रियल-टाइम सूचना जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। सुरक्षा के लिए इसमें स्वदेशी 'कवच' प्रणाली भी लगाई गई है, जिससे यह यात्रा को और सुरक्षित बनाती है।

वर्तमान में देशभर में 156 वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाएं परिचालित हैं। वहीं, पटना और नई दिल्ली के बीच चलाई जा रही यह विशेष वंदे भारत एक्सप्रेस नियमित सेवाओं के अतिरिक्त है, जिसे विशेष रूप से त्योहारों के अवसर पर संचालित किया जा रहा है।

साबरमती-गोरखपुर-साबरमती रेलसेवा का थावे स्टेशन तक अस्थाई विस्तार की अवधि में परिवर्तन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे द्वारा गोरखपुर स्टेशन पर तकनीकी कार्य के कारण साबरमती-गोरखपुर- साबरमती रेलसेवा का थावे स्टेशन तक अस्थाई विस्तार की अवधि में परिवर्तन किया जा रहा है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 19409/19410, साबरमती-गोरखपुर-साबरमती रेलसेवा का थावे स्टेशन तक संचालन की अवधि में साबरमती से दिनांक 26.02.26 तक के स्थान पर दिनांक 14.02.26 तक एवं गोरखपुर से दिनांक 28.02.26 तक के स्थान दिनांक 16.02.26 तक अस्थाई विस्तार किया जा रहा है।

यात्रीगण इन ट्रेनों के फेरों के विस्तार का लाभ उठा सकते हैं। विस्तृत जानकारी के लिए आप रेलवे की आधिकारिक सेवा NTES या हेल्पलाइन 139 पर संपर्क कर सकते हैं।

उत्तर रेलवे मुख्यालय, बड़ौदा हाउस में डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान 4.0 का शुभारंभ।

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर रेलवे अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा की घोषणा करता है। रेलवे के पेंशनभोगी सेवा केंद्र, मुख्यालय कार्यालय, बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली, में 1 नवंबर से 30 नवंबर 2025 तक राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान 4.0 का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को उनके बैंकों में जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने में सहायता प्रदान करने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

अभियान में भाग लेने के लिए आवश्यक दस्तावेज

आधार संख्या: सुरक्षित पहचान सत्यापन के लिए अनिवार्य।

मोबाइल नंबर: ओटीपी (OTP) प्राप्त करने सहित विभिन्न प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक।

पेंशन का विवरण: अपने पेंशन वितरण बैंक खाते की जानकारी और अनुमोदनकर्ता प्राधिकारी का नाम (पीपीओ की प्रतिलिपि) तैयार रखना अपेक्षित है।

पासपोर्ट साइज फोटो: प्रस्तुत करने की विधि के आधार पर एक रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो होना अपेक्षित है।

बैंक खाता विवरण: बैंक खाते की पासबुक की एक प्रतिलिपि जिसमें आईएफएससी (IFSC) कोड स्पष्ट रूप से दर्शाया गया हो।

उत्तर रेलवे अपने सभी पात्र पेंशनभोगियों को इस महत्वपूर्ण सुविधा का लाभ उठाने और 30 नवंबर 2025 की अंतिम तिथि से पहले अपना प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

रेल मंत्री ने अहमदाबाद स्टेशन का दौरा किया, अहमदाबाद स्टेशन पुनर्विकास और हाई स्पीड रेल परियोजना की प्रगति की समीक्षा की।

अहमदाबाद रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास परियोजना न केवल आधुनिक अवसंरचना का प्रतीक बनेगी, बल्कि शहर की सांस्कृतिक विरासत को भी संजोए रखते हुए अहमदाबाद को एक प्रमुख वैश्विक महानगर के रूप में स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगी।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अहमदाबाद स्टेशन का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने अहमदाबाद स्टेशन पर चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों तथा हाई स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना के प्रगति की समीक्षा की। रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अहमदाबाद स्टेशन पुनर्विकास कार्य का निरीक्षण किया और इस अवसर पर मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि भारत में यात्रियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए देशभर में स्टेशनों का व्यापक पुनर्विकास किया जा रहा है। वर्तमान में 1300 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है, जिनमें अहमदाबाद स्टेशन एक प्रमुख स्टेशन है।

रेल मंत्री ने बताया कि अहमदाबाद स्टेशन पर 16 मंजिला आधुनिक भवन का निर्माण किया जा रहा है। सरसपुर साइड पर बुलेट ट्रेन परियोजना का कार्य तेजी से चल रहा है तथा अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल स्टेशन लगभग पूर्णता की ओर है। बुलेट ट्रेन स्टेशन और अहमदाबाद रेलवे स्टेशन को आपस में एकीकृत (इंटीग्रेटेड) रूप से विकसित किया जा रहा है, सरसपुर साइड मेट्रो स्टेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा यात्रियों के लिए खोला जा चुका है।

उन्होंने आगे बताया कि अहमदाबाद स्टेशन को तीन अतिरिक्त प्लेटफॅार्म प्राप्त होंगे, जिससे स्टेशन की ट्रेनों की परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी। स्टेशन को शहर के दोनों ओर कालूपुर और सरसपुर साइड आधुनिक स्वरूप में विकसित किया जा रहा है। सभी प्लेटफॉर्म कोंकर्स रूफ प्लाजा से कवर हो जाएंगे तथा स्टेशन पर एलीवेटेड रोड का कार्य भी तीव्र गति से जारी है। इस प्रकार शहर के दोनों छोर कोंकोर्स, एलेवेटेड रोड, फूटओवर ब्रिज से जुड़ जाएगा। मंत्री महोदय ने बताया कि पिछली बार जब उन्होंने परियोजना का निरीक्षण किया था, तब बेसमेंट का कार्य प्रगति पर था, अब दो अंडरग्राउंड बेसमेंट एवं ग्राउंड फ्लोर का कार्य पूर्ण हो गया है जबकि चौथी मंजिल तक का स्ट्रक्चर फ्रेम तैयार हो चुका है।

देश के प्रमुख 20 स्टेशनों जैसे दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद से नई ट्रेनों की डिमांड अधिक आती है। गुजरात में अहमदाबाद और सूरत से से अधिक मांग रहती है। इस बढ़ती डिमांड को ध्यान में रखते हुए ट्रेनों की परिचालन क्षमता बढ़ाने हेतु अहमदाबाद के वटवा में एक मेगा टर्मिनल विकसित किया जाएगा, जिसमें 10 पिट लाइनों का निर्माण होगा। इसके माध्यम से लगभग 45 अतिरिक्त ट्रेनों की केपेसिटी बढ़ेगी जिससे अहमदाबाद से लगभग 150 ट्रेनों का संचालन संभव हो पाएगा।

अहमदाबाद स्टेशन का पुनर्विकास कार्य विरासत स्मारकों को आधुनिक शहरी केंद्र के साथ एकीकृत करने की अवधारणा पर आधारित है। यह परियोजना एक विश्वस्तरीय मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब (MMTH) का निर्माण करेगी, जिसमें पर्याप्त पार्किंग, कालूपुर आरओबी और सारंगपुर आरओबी को जोड़ने वाला एलिवेटेड रोड नेटवर्क, लैंडस्केप्ड प्लाजा, कॉनकोर्स एरिया तथा उन्नत यात्री सुविधाएं सम्मिलित होंगी।

स्टेशन का वास्तुशिल्प डिजाइन मोढेरा सूर्य मंदिर से प्रेरित है, जो सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक सौंदर्य का सुंदर समावेश प्रदर्शित करेगा। कालूपुर साइड स्थित आइक निक एमएमटीएच टॉवर अहमदाबाद के वास्तु परिदृश्य का नया प्रतीक बनेगा। एएसआई संरक्षित 'ईंट (ब्रिक्स) मीनार' और 'झूलता मीनार' को भी पुनर्विकास योजना में समाहित किया जाएगा।

यह स्टेशन राष्ट्रीय हाई-स्पीड रेल टर्मिनल, मेट्रो और बीआरटीएस से एलिवेटेड नेटवर्क के माध्यम से निर्बाध रूप से जुड़ा होगा, जिससे सुचारू मल्टीमॉडल एकीकरण सुनिश्चित होगा और शहर में भीड़भाड़ में कमी आएगी।

रेल पटरियों के ऊपर 15 एकड़ में फैला कॉनकोर्स प्लाजा और 7 एकड़ का मेजेनाइन प्लाजा बनाया जाएगा, जिसमें यात्रियों के लिए प्रतीक्षा कक्ष, शौचालय, फूड कोर्ट, खुदरा दुकानें आदि सुविधाएं होंगी। यह पुनर्विकसित स्टेशन एक ग्रीन बिल्डिंग के रूप में विकसित होगा, जो ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण एवं नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग पर केंद्रित रहेगा।

स्टेशन में अत्याधुनिक सुरक्षा तकनीकें, स्वचालित पार्सल डिपो सिस्टम और दिव्यांगजन-अनुकूल संरचना (लिफ्ट एवं एस्केलेटर सहित) सुनिश्चित की गई हैं।

रेलवे ने बढ़ाई अजमेर-सोलापुर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की अवधि, यात्रियों को मिलेगा लाभ।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे द्वारा अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु अजमेर- सोलापुर- अजमेर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा की संचालन अवधि में 03 ट्रिप का विस्तार किया जा रहा है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 09627/09628, अजमेर-सोलापुर-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा की संचालन अवधि में अजमेर से दिनांक 12.11.25 से 26.11.25 तक (03 ट्रिप) एवं सोलापुर से दिनांक 13.11.25 से 27.11.25 तक (03 ट्रिप) तक विस्तार किया जा रहा है।

नोट–उक्त रेलसेवा का संचालन समय व ठहराव यथावत रहेगा।

यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा NTES/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

Scanned with OKEN Scanner

सुपर ऐप 'रेलवन (स्वरेल)' ने रेलवे यात्री सुविधाओं को बनाया और अधिक सरल

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा को सर्वोपरि रखते हुए विभिन्न सेवाओं को एक ही मंच पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एकीकृत मोबाइल सुपर ऐप 'रेलवन (स्वरेल)' का बीटा संस्करण जनवरी 2025 में शुरू किया गया है । यह ऐप रेलवे टिकट बुकिंग (आरक्षित, अनारक्षित और प्लेटफॉर्म टिकट), ट्रेन पूछताछ, ई-कैटरिंग, शिकायत निवारण एवं अन्य यात्री सेवाओं से जोड़ते हुए रेलवे यात्रा को और अधिक सुगम, आधुनिक एवं सुविधाजनक बना रहा है। यह पहल रेलवे उपयोगकर्ताओं के लिए सुविधा बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सुपरऐप भारतीय रेलवे सेवाओं तक अधिक तीव्र, सरल और अधिक कुशल पहुँच प्रदान करता है ।

ऐप का प्रयोग :

- सीआरआईएस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, प्ले स्टोर या ऐप स्टोर से ऐप डाउनलोड करें।
- रेलकनेक्ट या यूटीएस मोबाइल ऐप के मौजूदा उपयोगकर्ता अपने पहचान के प्रमाण के साथ सीधे लॉग इन कर सकते हैं।
- नये उपयोगकर्ता न्यूनतम डेटा प्रविष्टि आवश्यकताओं के साथ पंजीकरण कर सकते हैं।

ऐप उपयोगकर्ताओं को अपने मौजूदा रेलकनेक्ट या यूटीएस ऑन मोबाइल पहचान के प्रमाण का उपयोग करके प्रयोग करने की अनुमति देता है। एक बार पंजीकृत होने के बाद, इन प्लेटफॉर्म पर समान पहचान के प्रमाण लागू होते हैं। सिंगल-साइन-ऑन सुविधा कई पासवर्ड याद रखने की आवश्यकता को कम करती है। पहले लॉग इन पर, टिकट बुकिंग की सुविधा के लिए प्रत्येक उपयोगकर्ता के लिए एक आर-वॉलेट बनाया जाता है। यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप से मौजूदा आर-वॉलेट स्वचालित रूप से लिंक हो जाते हैं। ऐप एक संख्यात्मक एम-पिन का उपयोग करके एक सुरक्षित और सुविधाजनक लॉगिन विकल्प भी प्रदान करता है। पूछताछ के लिए, उपयोगकर्ता मोबाइल नंबर/ओटीपी के माध्यम से अतिथि के रूप में लॉग इन कर सकते हैं।

ऐप से सुविधा :

- टिकट बुकिंग और रद्दीकरण
- रियल टाइम ट्रेन पूछताछ एवं लाइव स्टेटस
- ई-कैटरिंग सेवा के माध्यम से भोजन की ऑनलाइन बुकिंग
- शिकायत एवं सुझाव दर्ज कराना तथा उनकी स्थिति देखना
- पार्सल बुकिंग

सुपरऐप की अनूठी विशेषताएं

- ***सिंगल साइन–ऑन*** – उपयोगकर्ता एक ही पहचान का प्रमाण का उपयोग करके सभी सेवाओं तक पहुँच सकेंगे। इसके अलावा, वही पहचान के प्रमाण मौजूदा भारतीय रेलवे ऐप जैसे आईआरसीटीसी रेलकनेक्ट, यूटीएस मोबाइल ऐप आदि में प्रयोग किए जाएँगे।
- ***ऑल–इन–वन ऐप*** – वर्तमान में, आरक्षित और अनारक्षित बुकिंग के लिए अलग-अलग ऐप उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, ट्रेन की आवाजाही और समयसारिणी की जांच करने के लिए एक अलग ऐप की आवश्यकता होती है। ये सभी सेवाएँ अब एकीकृत ऐप के माध्यम से उपलब्ध होंगी।
- ***एकीकृत सेवाएँ*** – विभिन्न स्रोतों से व्यापक जानकारी को सुसंगत और एकीकृत तरीके से प्रदान करने के लिए सेवाओं को एकीकृत किया जा रहा है। उदाहरण के लिए, पीएनआर पूछताछ में संबंधित ट्रेन की जानकारी भी प्रदर्शित होगी ।

यह ऐप उपयोगकर्ता-अनुकूल इंटरफेस, बहुभाषी विकल्प एवं सुरक्षित भुगतान प्रणाली से सुसज्जित है। इसके माध्यम से भारतीय रेलवे डिजिटल भारत की दिशा में एक और बड़ा कदम उठा रहा है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे इस सुपर ऐप का अधिकतम उपयोग करें और डिजिटल माध्यम से यात्रा संबंधी सेवाओं का लाभ उठाएं। 'रेलवन (स्वरेल)' एंड्रइड एवं iOS दोनों प्लेटफॉर्म पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध है ।

टूंडला जंक्शन पर चेकिंग अभियान में पकड़े गए 08 अवैध वेंडर।

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रयागराज मण्डल अपने सभी यात्रियों को उत्कृष्ट सुविधाएं प्रदान करने के लिए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/फ्रेट, श्री अतुल यादव के निर्देशन में त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रयागराज मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर सघन टिकट एवं अवैध वेंडरों के विरुद्ध स्टेशनों एवं गाड़ियों में चेकिंग अभियान चलाता रहता है ।

दिनांक 28.10.2025 को उप मुख्य यातायात प्रबंधक/टूंडला, श्री अमित आनंद के सुपरविजन में टूंडला जंक्शन पर मुख्य वाणिज्य निरीक्षक/टूंडला श्री मनोज कुमार, मुख्य टिकट निरीक्षक/टूंडला एवं 02 टिकट चेकिंग कर्मचारियों ने मिलकर चेकिंग अभियान चलाया गया। इस चेकिंग अभियान के दौरान 08 अनाधिकृत वेंडरों को खाद्य वस्तुओं का विक्रय करते हुए पकड़ा गया । अग्रिम करुवई के लिए पकड़े गए वेंडरो को रेलवे सुरक्षा बल के सुपुर्द कर दिया गया।

इस अभियान में टूंडला रेलवे स्टेशन पर गुजरने वाली गाड़ियों में एवं खानपान स्टालों पर खानपान व्यवस्थाओं एवं खानपान सामग्री को चेक किया गया। यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं में मुख्यता खानपान सामाग्री पर ओवर चार्जिंग, टॉयलेट की साफ सफाई की समस्याओं का समाधान किया गया ।

रेल प्रशासन अपने सभी यात्रियों से अनुरोध करता है कि रेलगाड़ी तथा रेल परिसर में गन्दगी न फैलाएं, कूड़ा कूड़ेदांन में ही डाले तथा वैध टिकट के साथ यात्रा करें। केवल अधिकृत एवं आईआरसीटीसी द्वारा अनुमोदित वेंडरों से ही खाद्य सामग्री एवं पेय पदार्थ क्रय करें तथा किसी भी अवैध विक्रेता की जानकारी तत्काल रेलवे हेल्पलाइन 139 या निकटतम रेलवे अधिकारी को दें। रेलवे अपने सभी यात्रियों का सम्मान करती है और उनकी सुखद यात्रा की कामना करती है ।

पूर्व मध्य रेल, मुख्यालय हाजीपुर में स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत "चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता" का आयोजन

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार स्वच्छता ही सेवा एवं स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत पूर्व मध्य रेल में 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर, 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया ।

इसी क्रम में पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय में ''चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया तथा राजीव कुमार, मुख्य पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था प्रबंधक की गरिमामयी उपस्थिति में प्रतियोगिता के विजेता को प्रशंसा पत्र एवं पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

साथ ही साथ मुख्यालय में कार्यरत सफाईकर्मियों के बीच जूट बैग एवं टोपी का वितरण किया गया। इस दौरान प्लास्टिक निर्मित बैग का प्रयोग न करने एवं प्रकृति को प्लास्टिक से उत्पन्न होने वाली समस्याओं से अवगत कराया गया तथा रेल परिसर, रेलवे स्टेशन को साफ एवं स्वच्छ रखने हेतु निर्देशित किया गया।

लोह पुरुष की जयंती पर एकता की शपथ व दौड़, मंडल रेल प्रबन्धक 'द्वारा "रन फॉर यूनिटी'' रैली का फ्लैग ऑफ किया गया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे बोर्ड तथा मुख्यालय प्रयागराज के निर्देश के अनुपालन में सरदार बल्लभ भाई पटेल जी के जन्मदिवस -31 अक्टूबर-2025 को राष्ट्रीय एकता दिवस को "एक भारत श्रेष्ठ भारत'' Spirit/भाव पर मनाया जा रहा हैं। सरदार बल्लभ भाई पटेल जी के जन्मदिवस दिनाक-31 अक्टूबर-2025 को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आगरा मण्डल में मंडल रेल प्रबन्धक श्री गगन गोयल द्वारा सभी अधिकारियो एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई। मंडल रेल प्रबन्धक श्री गगन गोयल ने अपने सम्बोधन में राष्ट्र के प्रति लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल जी के योगदान तथा राष्ट्रीय एकता दिवस को "एक भारत श्रेष्ठ भारत'' Spirit/भाव के रूप मंड मनाये जाने के बारे में अधिकारियो एव कर्मचारियो को संक्षेप में बताया गया। मंडल रेल प्रबन्धक द्वारा "रन फॉर यूनिटी'' रैली का फ्लैग ऑफ किया गया, यह मण्डल कार्यालय से टैंक चौराहा तक "रन फॉर यूनिटी'' की रैली निकाली गई। "रन फॉर यूनिटी'' रैली में आरपीएफ ,स्काउट गाइड ,खेल कूद कोटा के कर्मचरियों सहित सभी विभाग के कर्मचारियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आरपीएफ द्वारा मार्चपास्ट किया गया। इसी क्रम में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की जयंती पर स्टेशन निदेशक आगरा कैंट श्री संतोष कुमार त्रिपाठी और सहायक सुरक्षा आयुक्त आगरा श्री टी के अग्निहोत्री के द्वारा आगरा कैंट स्टेशन पर कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई, इसी क्रम में सरदार वल्लभभाई पटेल जी की जयंती पर स्टेशन निदेशक मथुरा जंक्शन श्री एन पी श्रीवास्तव और सहायक सुरक्षा आयुक्त मथुरा श्री ए के वर्मा के द्वारा मथुरा जंक्शन स्टेशन पर कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई, राष्ट्रीय एकता दिवस एव सतर्कता जागरूकता सफ्ताह के अवसर पर मण्डल कार्यालय ,आगरा कैंट तथा मथुरा स्टेशन पर निबन्ध ,वाद विवाद , प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया ,जिसमे सभी विभाग के कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया गया। जिसमें प्रतिभागियों का रिजल्ट जारी कर पुरस्कृत किया गया।

श्री मुदित चंद्रा ने प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी उत्तर मध्य रेलवे का किया कार्यभार ग्रहण

सूत्र/रे.स.ब्यू- श्री मुदित चंद्रा ने उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने यह पद निवर्तमान प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री एस. बालाचंद्र अय्यर के 31 अक्टूबर 2025 को सेवानिवृत्त होने के उपरांत ग्रहण किया है।

श्री चंद्रा 1998 सिविल सेवा परीक्षा बैच के भारतीय रेल कार्मिक सेवा अधिकारी हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सेंट जोसेफ कॉलेज, प्रयागराज से पूरी की, और उसके बाद मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNNIT), प्रयागराज से मैकेनिकल इंजीनियरिंग (बी ई) की डिग्री प्राप्त की।

श्री चंद्रा ने उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में पदस्थ होने से पहले भारतीय रेलवे में उप महाप्रबंधक (सामान्य), उत्तर मध्य रेलवे के आगरा, झांसी और प्रयागराज मंडलों में मानव संसाधन (HR) प्रमुख और आगरा मंडल में अपर मंडल रेल प्रबंधक/परिचालन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएँ दी हैं।

महाप्रबंधक ने किया नवनिर्मित व्हील एवं बोगी शेड का उद्घाटन

सूत्र/रे.स.ब्यू- आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में दिनांक 17.10.2025 को नवनिर्मित व्हील एवं बोगी शेड का उद्घाटन महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा के कर कमलों द्वारा आरेडिका के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में किया गया।

आरेडिका को 1000 कोच निर्माण की क्षमता हेतु स्थापित किया गया था। लेकिन निर्माण क्षमता में आरेडिका लगातार वृद्धि कर रहा है, अतः उत्पादन को गति देने के लिए अवसंरचना में विस्तार करना भी आवश्यक होता है। जिससे कोच निर्माण में उपयोग होने वाले व्हीलों एवं बोगियों के उचित रख-रखाव हेतु लम्बे समय से एक अतिरिक्त शेड की आवश्यकता महसूस हो रही थी। इसलिए अभियांत्रिकी विभाग एवं विद्युत विभाग के सहयोग से 3060 स्क्वायर मीटर के नये व्हील एवं बोगी शेड का निर्माण कार्य किया गया है।

महाप्रबंधक महोदय ने बताया कि यह अवसंरचना विस्तार हेतु एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके निर्माण से रेल डिब्बा के उत्पादन में वृद्धि होगी एवं अतिरिक्त व्हील एवं बोगी प्रबंधन में मदद मिलेगी। इसके साथ ही महाप्रबंधक महोदय ने वन्देभारत में लगने वाले सीटों का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर आरेडिका के प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता विवेक खरे, प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता मनोज कुमार जिंदल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी रवीश कुमार, प्रधान वित्त सलाहकार बीएल मीना, प्रधान मुख्य, अभियंता एसपी यादव, प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० आभा जैन, सीएमएमध्फर आर के सिंह, सीएमएम/बोगी सुशील झा, सीएमएम/शेल के के कनौजिया, महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द एवं सिविल एवं विद्युत विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी सहित अन्य उच्च अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोयम्बटूर-मदार-कोयम्बटूर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा का संचालन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे द्वारा यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु कोयम्बटूर-मदार-कोयम्बटूर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 06181, कोयम्बटूर-मदार साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा दिनांक 13.11.25 से 04.12.25 तक (04 ट्रिप) कोयम्बटूर से प्रत्येक गुरुवार को 02:30 बजे रवाना होकर शनिवार को 11:20 बजे मदार पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 06182, मदार-कोयम्बटूर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा दिनांक 16.11.25 से 07.12.25 तक (04 ट्रिप) मदार से प्रत्येक रविवार को 23:50 बजे रवाना होकर बुधवार को 08:30 बजे कोयम्बटूर पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में तिरुप्पूर, इरोड, सेलम, जोलारपेट्टै, काटपाडी, रेणिगुंटा, कडपा, यर्रगुंटला, गुत्ती, द्रोण, करनूलु सिटी, गदवाल, महबूबनगर, काचीगुडा, कामारेड्डी, निजामाबाद, बासर, मुदखेड़, नान्देड़, पूर्णा जं., हिंगोली, वाशिम, अकोला, मल्कापुर, भुसावल, जलगांव, नंदुरबार, उधना, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, जावरा, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, चंदेरिया, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद व अजमेर स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

इस रेलसेवा में 07 थर्ड एसी, 04 थर्ड एसी इकोन मी, 07 द्वितीय शयनयान, 02 पॉवरकार डिब्बों सहित कुल 20 डिब्बे होंगे।

यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा NTES/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

झेलम एक्सप्रेस में पकड़ा गया फर्जी टीटीई, GRP के सुपुर्द।

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 22.10.25 को दोपहर 15:15 बजे मुख्य वाणिज्य निरीक्षक ग्वालियर और कमर्शियल कंट्रोल से प्राप्त सूचना के आधार पर सीटीआई ग्वालियर एवं आरपीएफ स्टाफ द्वारा 11077 डाउन झेलम एक्सप्रेस के जनरल व दिव्यांग कोच में संयुक्त जांच की गई।

जांच के दौरान एक व्यक्ति झांसी से ग्वालियर तक बिना टिकट यात्रा करते हुए खुद को स्वयं को टीटीई बताकर यात्रियों से अवैध रूप से पैसे वसूलता पाया गया। उसके पास से 1620 नकद बरामद हुए। उक्त व्यक्ति का वीडियो एक यात्री द्वारा रेलवे ट्विटर पर साझा किया गया था। आरोपी को जीआरपी के सुपुर्द कर आवश्यक कार्रवाई की गई।

इस कार्यवाही में सीटीआई राजीव शर्मा, लोकेन्द्र कौशिक, विजय कुमार सिंह, मोहित विश्वास, अर्पित गोस्वामी, अमित परमार, नीरज कौशिक तथा आरपीएफ एएसआई अशोक सिंह भदौरिया, कांस्टेबल शीशराम गुर्जर व अजीत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

पंजिकृत कार्यालय

502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।

कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिपोॅटर)
कार्यालय 8439 आर्य नगर
पहाड़गंज दिल्ली-55

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि.
इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि.
329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90 पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9793956044
फोन नं. 0532-2418040

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह आयोजित

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 31.10.2025 को सरदार बल्लभ भाई पटेल जी के जन्म दिवस के अवसर पर महाप्रबंधक कार्यालय, प्रयागराज के प्रांगण में महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे श्री नरेश पाल सिंह ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को "राष्ट्रीय एकता दिवस" की शपथ दिलायी गयी ।

इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे खेलकूद संघ एवं रेल सुरक्षा बल द्वारा महाप्रबंधक महोदय के नेतृत्व में एकता दौड़ का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम महाप्रबंधक महोदय ने हरी झंडी दिखाकर एकता दौड़ को रवाना किया। इस दौड़ में उत्तर मध्य रेलवे के खिलाड़ियों और रेल सुरक्षा बल कर्मियों के साथ अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी प्रतिभाग किया। यह दौड़ महाप्रबंधक कार्यालय के संगम परिसर के सामने से प्रारंभ हुई ।

कार्यक्रम में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, श्री बालचंद्र अय्यर सहित प्रधान विभागाध्यक्ष, अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण एवं मुख्यालय के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंडल रेल प्रबंधक द्वारा वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी धौलपुर तथा रायरु-कैलारस रेलखंड का विस्तृत निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 30 अक्टूबर 2025 को मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिरूद्ध कुमार द्वारा वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी धौलपुर रेलखंड का विंडो-ट्रेलिंग तथा रायरू-कैलारस रेलखंड का विस्तृत निरीक्षण किया गया। उन्होंने वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन से धौलपुर स्टेशन के मध्य निरीक्षण करते हुए रेलखंड की संरक्षा, परिचालन एवं स्वच्छता व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। इस दौरान ट्रैक की राइडिंग क्वालिटी, सिग्नल संस्थापन, जॉइंट्स, पॉइंट्स, समपार फाटक पर संरक्षा व्यवस्था एवं स्टेशन परिसरों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया।

निरीक्षण के क्रम में सर्वप्रथम श्री कुमार ने चम्बल ब्रिज का विस्तृत निरीक्षण किया, जहाँ पर उन्होंने ब्रिज पर लगे सभी इंस्टालेशन सहित केबलिंग, नट-बोल्ट, क्लैंप आदि का कसाव आदि सभी संरक्षा पहलुओं पर विशेष ध्यान देते हुए परख की।

इसके पश्चात मंडल रेल प्रबंधक महोदय ने रायरू स्टेशन का निरीक्षण किया, यहाँ उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं, स्टेशन पर आने-जाने के मार्ग, सर्कुलेटिंग एरिया के साथ सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। रायरू स्टेशन पर उन्होंने विस्तारित किये जा रहे माल गोदाम तथा नवनिर्मित पब्लिक टॉयलेट, स्टेशन यार्ड, माल गोदाम की व्यवस्थाओं आदि का भी विस्तृत अवलोकन किया तथा मर्चेंट रूम, 24 घंटे विद्युत आपूर्ति, प्रकाश एवं पेयजल व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया और साथ ही खाली पड़े एक कक्ष को लेबर कैंटीन में परिवर्तित करने के आदेश दिए।

तत्पश्चात उन्होंने गेज परिवर्तित ग्वालियर श्योपुरकलां खंड के अंतर्गत बामौर गाँव स्टेशन का निरीक्षण किया तथा सभी कार्यालयों तथा उपलब्ध यात्री सुविधाओं को देखा तथा आवश्यकतानुसार बेहतरी सम्बंधित निर्देश पारित किये। सुमावली तथा कैलारस स्टेशन पर प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया, कैटरिंग स्टॉल, स्टेशन पर उपलब्ध अर्थिंग पॉइंट्स आदि का विस्तृत निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए ।

इसके पश्चात श्री कुमार ने जौरा अलापुर स्टेशन का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन परिसरों में स्वच्छता व्यवस्था एवं यात्री सुविधाओं के उच्चीकरण की समीक्षा की तथा वापसी में बिरलानगर रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण किया।

श्री हरिमोहन ने वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक (कोचिंग), प्रयागराज मण्डल का कार्यभार संभाला

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 31 अक्टूबर, 2025 को श्री हरिमोहन ने उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मण्डल में वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक (कोचिंग) के पद का कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व वे उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान कार्यालय में उप मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक (यूटीएस) के पद पर कार्यरत थे।

श्री हरिमोहन भारतीय रेलवे यातायात सेवा (IRTS) के 2011 बैच के अधिकारी हैं। उन्होंने वर्ष 2004 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक की शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने अपने कैरियर की शुरुआत वर्ष 2013 में उत्तर रेलवे, फिरोजपुर मण्डल में सहायक मण्डल परिचालन प्रबन्धक के रूप में की थी। इसके पश्चात् वे अंबाला मण्डल में मण्डल परिचालन प्रबन्धक, श्रीनगर में एरिया मैनेजर, फिरोजपुर एवं अंबाला मण्डलों में वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक तथा उत्तर रेलवे, बड़ोदा हाउस में उप मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/फ्रेट एवं मार्केटिंग के महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं।

केंद्रीय चिकित्सालय प्रयागराज में "विश्वास" रोगी-परिचारक विश्रामालय का किया उद्‌घाटन

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 30 अक्टूबर, 2025 को केंद्रीय चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज में भर्ती रोगियों के साथ आने वाले परिचारकों के लिए निर्मित रोगी-परिचारक विश्रामालय "विश्वास" का शुभारंभ महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे श्री नरेश पाल सिंह एवं प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, उत्तर मध्य रेलवे श्री एस. बालाचंद्र अय्यर द्वारा किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज मंडल श्री रजनीश अग्रवाल, एम.डी./केंद्रीय चिकित्सालय श्री एस. के. हांडू, अपर मंडल रेल प्रबंधक/सामान्य श्री दीपक कुमार, सचिव/महाप्रबंधक श्री अखिल शुक्ला, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर मध्य रेलवे श्री शशिकांत त्रिपाठी, वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) श्री जावेद, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री वैभव गुप्ता, सी.एम.एस. डॉ. सुरेन्द्र नाथ, मंडल अभियंता (संपदा) श्री अर्चित जैन, सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे के साथ एम.डी./केंद्रीय चिकित्सालय श्री एस. के. हांडू, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुरेन्द्र नाथ, अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं विभिन्न यूनियन प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

उद्‌घाटन के पश्चात महाप्रबंधक महोदय ने केंद्रीय चिकित्सालय के अपग्रेडेशन हेतु चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने ळ३ भवन निर्माण कार्य का भी अवलोकन किया और कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने एवं गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसी क्रम में उन्होंने अस्पताल में प्रस्तावित भविष्य के विस्तार कार्यों पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा की।

"विश्वास" विश्रामालय की स्थापना का उद्देश्य रोगियों के साथ आने वाले परिजनों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक ठहराव की व्यवस्था उपलब्ध कराना है, जिससे उन्हें चिकित्सा अवधि के दौरान बेहतर सहयोग और विश्राम का वातावरण मिल सके।

श्री सोमेश कुमार, अतिरिक्त सदस्य (ट्रैक्शन), रेलवे बोर्ड ने संभाला बरेका के महाप्रबंधक का अतिरिक्त कार्यभार

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेल सेवा के इलेक्ट्रिकल इंजी-नियरिंग कैडर के 1987 बैच के वरिष्ठ एवं अनुभवी अधिकारी श्री सोमेश कुमार ने बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) के महाप्रबंधक का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया है। वर्तमान में वे रेलवे बोर्ड,नई दिल्ली में अतिरिक्त सदस्य (ट्रैक्शन) के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

श्री सोमेश कुमार ने वर्ष 1991 में झाँसी मंडल में सहायक विद्युत इंजीनियर (सामान्य) के रूप में भारतीय रेल सेवा में अपना करियर प्रारंभ किया था। लगभग 34 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा अवधि में उन्होंने रेलवे के अनेक महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए अपनी अद्वितीय नेतृत्व क्षमता और तकनीकी दक्षता का परिचय दिया है।

उन्होंने झाँसी, बरेका, भोपाल, नागपुर, अंबाला, लखनऊ, सिकंदराबाद एवं चेन्नई जैसे प्रमुख जोनल रेलवे और उत्पादन इकाइयों में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

दक्षिण मध्य रेलवे,सिकंदराबाद में ऊर्जा संरक्षण में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ:

प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद के रूप में उनके कार्यकाल में, दक्षिण मध्य रेलवे को राष्ट्रीय स्तर पर चार ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार प्राप्त हुए - जो किसी भी क्षेत्रीय रेलवे द्वारा प्राप्त सर्वाधिक थे। इसके अतिरिक्त विभिन्न मंडलों को पाँच राज्य स्तरीय और छह CII पुरस्कार भी प्राप्त हुए।

नागपुर मंडल में उत्कृष्ट प्रशासनिक प्रदर्शन:

मंडल रेल प्रबंधक, नागपुर के रूप में, उनके कार्यकाल में मंडल ने रेलवे सप्ताह 2018-19 में 7 शील्ड और 2019-20 में 8 शील्ड प्राप्त कीं। साथ ही, माल लदान में वृद्धि के लिए उन्हें रेलवे बोर्ड द्वारा विशेष प्रशंसा पत्र भी प्रदान किया गया।

दक्षिण रेलवे में संरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार:

प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी, दक्षिण रेलवे, चेन्नई के कार्यकाल में उनके नेतृत्व में व्यापक सुरक्षा ऑडिट एवं सेफ्टी ड्राइव संचालित किए गए, जिसके परिणामस्वरूप उस अवधि में दक्षिण रेलवे में कोई गंभीर दुर्घटना नहीं हुई।

100% विद्युतीकरण एवं तकनीकी प्रगति में योगदान:

प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर, दक्षिण रेलवे के रूप में उन्होंने 100% विद्युतीकरण और क्रू प्रबंधन प्रणाली के सुदृढ़ीकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विशेष उल्लेखनीय तथ्य यह है, कि श्री सोमेश कुमार मार्च 2005 से नवंबर 2011 तक बरेका में उप मुख्य डिजाइन इंजीनियर (ई.एम.) के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

यात्रियों की है जिम्मेदारी, साफ रहे रेल हमारी !

यात्रियों की है जिम्मेदारी,
साफ रहे रेल हमारी!
चलते हर डिब्बे में खुशबू हो,
न हो गंदगी की बीमारी।

डस्टबिन में डाले कचरा,
यही सभ्यता की पहचान।
हम सब मिलकर रखेंगे ध्यान,
यही देशभक्ति, यही सम्मान।

कदम छोटा हो सकता है,
पर बदलेगी तस्वीर हमारी।
यात्रियों की है जिम्मेदारी,
साफ रहे रेल हमारी

तरुण गोयल
कानपुर, उत्तर प्रदेश

पाठको से अनुरोध

आपको यह अंक कैसा लगा ? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते हैं ?
कजपया अपने सुझावों से अवश्य ही अवगत कराएं जिससे हम पत्रिका में सुधार कर सकें। हमें आपके सुझाव का इंतजार रहेगा।

प्रधान संपादक

संपादकीय

जानलेवा 'रील' का जुनून: पटरियों पर ख़तरा मोल लेना कब बंद करेंगे युवा?

सोशल मीडिया पर वायरल होने की होड़ में, हमारे युवा लगातार रेलवे ट्रैक के सामने खड़े होकर या पटरियों के बीच में चलकर जानलेवा 'रील्स' बना रहे हैं, जो सीधे-सीधे अपनी कीमती जिंदगी को दाँव पर लगाना है। युवा यह भूल जाते हैं कि यह कोई शूटिंग स्टूडियो नहीं, बल्कि एक सक्रिय और हाई-स्पीड अ परेशनल क्षेत्र है, जहाँ दूर से आती ट्रेन जितनी धीमी दिखती है, वह वास्तव में उससे कहीं ज़्यादा तेज होती है, और अचानक ब्रेक लगाने पर भी उसे रुकने में सैकड़ों मीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। इसके अलावा, अत्यधिक गति से गुजरने वाली ट्रेन के पास हवा का शक्तिशाली सक्शन इफेक्ट भी पैदा होता है, जो उन्हें अपनी ओर खींच सकता है। यह जोखिम सिर्फ उस रील बनाने वाले व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह पूरे परिवार और ट्रेन ऑपरेटरों के लिए एक दुखद त्रासदी बन जाता है। आपकी रचनात्मकता और ऊर्जा को सुरक्षित स्थानों पर लगाएं, क्योंकि कोई भी 'लाइक' या 'व्यू' आपके जीवन से ज़्यादा मूल्यवान नहीं है। यह समझना जरूरी है कि एक पल की सनक और एक 'परफेक्ट शॉट' का लालच जीवन भर के पछतावे में बदल सकता है, इसलिए युवाओं को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए, लाइक्स की बजाय जिंदगी को ज़्यादा जरूरी मानना चाहिए और इस जानलेवा जुनून को तुरंत छोड़ देना चाहिए।

Scanned with OKEN Scanner

"स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार" अभियान के तहत भारत ने तीन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स खिताब बनाए

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राष्ट्रव्यापी "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान" (एसएनएसपीए) के तहत तीन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स खिताब हासिल किए हैं, जो निवारक और महिला-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा के प्रति भारत की अद्वितीय प्रतिबद्धता को मान्यता देते हैं।

प्राप्त रिकार्ड इस प्रकार हैं:

- एक महीने में स्वास्थ्य देखभाल प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण कराने वाले सबसे अधिक लोग 3,21,49,711 (3.21 करोड़ से अधिक)
- एक सप्ताह में स्तन कैंसर की ऑनलाइन स्क्रीनिंग के लिए साइन अप करने वाले सबसे अधिक लोग - 9,94,349 (9.94 लाख से अधिक)
- एक सप्ताह में महत्वपूर्ण संकेतों की ऑनलाइन स्क्रीनिंग के लिए साइन अप करने वाले सबसे अधिक लोग (राज्य स्तर पर) - 1,25,406 (1.25 लाख से अधिक)

माननीय प्रधानमंत्री ने पोषण माह के साथ-साथ, 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक चले राष्ट्रव्यापी अभियान ''स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान'' का भी शुभारंभ किया था। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण में सुधार लाना है, जिससे किसी भी कमी या बीमारी का जल्दी पता लगाया जा सके, आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित हो और एक मजबूत एवं स्वस्थ भारत के लिए परिवारों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए सशक्त बनाया जा सके।

सेवा को अपना संकल्प मानकर और 'भारत प्रथम' की प्रेरणा के साथ, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है, ''हमारी माताएँ-बहनें और हमारी नारी शक्ति हमारे राष्ट्र की प्रगति का आधार हैं। अगर एक माँ स्वस्थ है, तो पूरा परिवार स्वस्थ रहता है।''

देश भर के प्रत्येक जिले तक पहुंचते हुए यह अभियान 19.7 लाख स्वास्थ्य शिविरों के साथ एक अभूतपूर्व पैमाने तक पहुँचा, जिसमें सभी स्वास्थ्य सेवा प्लेटफार्मों पर 11 करोड़ से अधिक लोग शामिल हुए।

इस अभियान में 20 से ज़्यादा मंत्रालयों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिनमें केंद्र सरकार के संस्थान, मेडिकल कॉलेज और निजी संगठन शामिल थे। इस अभियान में सांसदों, विधायकों और सभी संबंधित मंत्रालयों के अधिकारियों ने भी भाग लिया, जिससे यह एक ''संपूर्ण सरकार'' अभियान बन गया।

''समग्र समाज'' दृष्टिकोण का अनुसरण करते हुए, इस अभियान में अभूतपूर्व सामुदायिक भागीदारी देखी गई, जिसमें 5 लाख से अधिक पंचायती राज प्रतिनिधियों, 1.14 करोड़ से अधिक स्कूल और कॉलेज के छात्रों, 94 लाख एसएचजी सदस्यों और 5 लाख अन्य सामुदायिक मंच सदस्यों ने भाग लिया, जो सबसे बड़े सामुदायिक जुड़ाव प्रयासों में से एक है।

अभियान के प्रमुख परिणामों में 1.78 करोड़ से ज़्यादा उच्च रक्तचाप की जाँच, 1.73 करोड़ मधुमेह की जाँच, 69.5 लाख मौखिक कैंसर की जाँच, 62.6 लाख प्रसवपूर्व देखभाल जाँच, 1.43 करोड़ टीकों की खुराक और 1.51 करोड़ एनीमिया परीक्षण शामिल हैं। 85.9 लाख से ज़्यादा महिलाओं की तपेदिक, 10.2 लाख महिलाओं की सिकल सेल रोग की जाँच की गई और 2.14 करोड़ लोगों ने परामर्श और स्वास्थ्य सत्रों में भाग लिया। माई भारत स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी से अभियान के दौरान 2.68 लाख से ज़्यादा निक्षय मित्र पंजीकृत किए गए। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से प्राप्त यह मान्यता ''स्वस्थ महिला, सशक्त परिवार और विकसित भारत'' के निर्माण के लिए भारत के सामूहिक प्रयास का प्रमाण है - जिसमें सरकारी प्रणालियों, डिजिटल स्वास्थ्य नवाचार और सामुदायिक भागीदारी को संयोजित किया गया है।

सभी स्कूलों में तीसरी कक्षा से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर पाठ्यक्रम शुरू होगा

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) शिक्षा को अपने आसपास की दुनिया से जुड़े एक बुनियादी सार्वभौमिक कौशल के रूप में माना जाना चाहिए – सचिव, स्कूल शिक्षा

सूत्र/रे.स.ब्यू- शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (डीओएसईएंडएल) ने भविष्य के लिए तैयार शिक्षा के आवश्यक घटकों के रूप में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग (एआई और सीटी) को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। विभाग, परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से, स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ एसई) 2023 के व्यापक दायरे में एक सार्थक और समावेशी पाठ्यक्रम तैयार करने में राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के साथ-साथ सीबीएसई, एनसीईआरटी, केवीएस और एनवीएस जैसे संस्थानों का समर्थन कर रहा है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग (एआई और सीटी) सीखने, सोचने और सिखाने की अवधारणा को सुदृढ़ करेगा और धीरे-धीरे ''सार्वजनिक हित के लिए एआई'' की अवधारणा की ओर विस्तारित होगा। यह पहल जटिल चुनौतियों को हल करने के लिए एआई के नैतिक उपयोग की दिशा में एक नया लेकिन महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि यह तकनीक कक्षा 3 से शुरू होकर, आधारभूत स्तर से ही अंतर्निहित होगी।

29 अक्टूबर 2025 को एक हितधारक परामर्श आयोजित किया गया, जिसमें सीबीएसई, एनसीईआरटी, केवीएस, एनवीएस और बाहरी विशेषज्ञों सहित विशेषज्ञ निकाय एक साथ आए। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने एआई और सीटी पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर कार्तिक रमन की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है।

परामर्श में, डीओएसईएल के सचिव, श्री संजय कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की शिक्षा को हमारे आसपास की दुनिया (टीडब्ल्यूएयू) से जुड़े एक बुनियादी सार्वभौमिक कौशल के रूप में माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम व्यापक, समावेशी और एनसीएफ एसई 2023 के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि प्रत्येक बच्चे की विशिष्ट क्षमता हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने आगे कहा कि नीति निर्माताओं के रूप में हमारा काम न्यूनतम सीमा निर्धारित करना और बदलती जरूरतों के आधार पर उसका पुनर्मूल्यांकन करना है।

उन्होंने आगे इस बात पर प्रकाश डाला कि निष्ठा के शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल और वीडियो-आधारित शिक्षण संसाधनों सहित शिक्षक प्रशिक्षण और शिक्षण सामग्री, पाठ्यक्रम कार्यान्वयन की रीढ़ बनेगी। एनसीएफ एसई के अंतर्गत एक समन्वय समिति के माध्यम से एनसीईआरटी और सीबीएसई के बीच सहयोग से निर्बाध एकीकरण, संरचना और गुणवत्ता आश्वासन सुनिश्चित होगा। श्री कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि अंतर्राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बोर्डों का विश्लेषण और एक अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य होना अच्छी बात है, लेकिन यह हमारी जरूरतों के अनुरूप होना चाहिए।

संयुक्त सचिव (सूचना एवं प्रौद्योगिकी) श्रीमती प्राची पांडे ने पाठ्यक्रम विकास और क्रियान्वयन के लिए निर्धारित समयसीमा का पालन करने के महत्व को दोहराते हुए समापन किया।

मुख्य विशेषताएं

- शैक्षणिक सत्र 2026-27 से तीसरी कक्षा से आगे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग की शुरुआत, एनईपी 2020 और एनसीएफ एसई 2023 के अनुरूप
- एनसीएफ एसई के अंतर्गत एआई और सीटी पाठ्यक्रम, समय आवंटन और संसाधनों का एकीकरण।
- दिसम्बर 2025 तक संसाधन सामग्री, हैंडबुक और डिजिटल संसाधनों का विकास।
- निष्ठा और अन्य संस्थानों के माध्यम से शिक्षक प्रशिक्षण, जो ग्रेड-विशिष्ट और समयबद्ध हो।

स्टार्टअप एक्सेलरेटर वेवएक्स ने भारतीय मीडिया-टेक उद्यमियों के भविष्य को आकार देने के लिए विश्व के सबसे बड़े स्टार्टअप हब, टी-हब के साथ सहयोग किया

यह साझेदारी देश की अगली पीढ़ी के रचनाकारों एवं नवप्रवर्तकों के लिए मार्गदर्शन, वैश्विक बाजार तक पहुंच और एक मापनीय पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए है

सूत्र/रे.स.ब्यू -सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत स्टार्टअप एक्सेलेरेटर वेवएक्स ने भारत के क्रिएटिव, कंटेंट और मीडिया-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए विश्व के सबसे बड़े स्टार्टअप हब, टी-हब के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया।

वेवएक्स और टी-हब के बीच एमओयू पर वेवएक्स और टी-हब के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री संजय जाजू, तेलंगाना सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग के विशेष मुख्य सचिव श्री संजय कुमार और मंत्रालय के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किया तथा उनका आदान-प्रदान किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में, सचिव श्री संजय जाजू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत का एवीजीसी-एक्सआर (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स एवं एक्सटेंडेड रियलिटी) क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है और रचनात्मक अर्थव्यवस्था के एक प्रमुख चालक के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि वेवएक्स की संकल्पना मीडिया, मनोरंजन और तीव्र प्रौद्योगिकी में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने तथा रचनाकारों को सशक्त बनाने के लिए एक राष्ट्रीय उत्प्रेरक मंच के रूप में की गई है।

तेलंगाना सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग के विशेष मुख्य सचिव श्री संजय कुमार ने कहा कि वेवएक्स और टी-हब के बीच साझेदारी रचनात्मक उद्यमिता के लिए एक राष्ट्रव्यापी पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में मददगार होगी। उन्होंने आगे कहा कि यह युवा रचनाकारों को व्यक्तिगत प्रतिभागियों से संगठित व्यावसायिक इकाइयों में परिवर्तित करने में मदद करेगी जिससे वे वैश्विक स्तर पर विस्तार कर सकेंगे।

इस सहयोग से भारतीय स्टार्टअप्स को संरचित इनक्यूबेशन, मेंटरशिप और अवसंरचना एवं नेटवर्क तक पहुंच प्रदान करके लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है। एंकर संस्थान के रूप में टी-हब द्वारा समर्थित, वेवएक्स सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत पूरे भारत में 10 इनक्यूबेशन केंद्र स्थापित करेगा। ये केंद्र एवीजीसी-एक्सआर पारिस्थितिकी तंत्र में स्टार्टअप्स एवं रचनाकारों के लिए नवाचार केंद्र के रूप में कार्य करेंगे।

वेवएक्स के संदर्भ में

वेवएक्स, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की वेव्स पहल के अंतर्गत शुरू किया गया एक समर्पित स्टार्टअप उत्प्रेरक प्लेटफॉर्म है, जिसका उद्देश्य मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देना है। मई 2025 में मुंबई में आयोजित वेव्स शिखर सम्मेलन में, वेवएक्स ने 100 से ज़्यादा आशाजनक स्टार्टअप्स को पिचिंग एवं नेटवर्किंग का अवसर प्रदान किया, जिससे सरकारी एजेंसियों, निवेशकों एवं उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ सीधा जुड़ाव संभव हुआ। वेवएक्स लक्षित हैकाथ न, इंक्यूबेशन, मेंटरशिप और राष्ट्रीय मंचों के साथ एकीकरण के माध्यम से क्रांतिकारी विचारों को समर्थन देना जारी रखता है।

टी-हब के संदर्भ में

टी-हब विश्व का सबसे बड़ा स्टार्टअप हब है जो क्यूरेटेड कार्यक्रमों, बाजार पहुंच, वित्तपोषण के अवसरों और विश्व स्तरीय अवसंरचना के माध्यम से 2,000 से अधिक स्टार्टअप का समर्थन करता है। टी-हब इनक्यूबेटरों के लिए एक प्रमुख इनक्यूबेटर के रूप में भी काम करता है, जो आईडीईएक्स (रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार) जैसे कार्यक्रमों का समर्थन करने के साथ-साथ एआईसी (अटल इनक- यूबेशन सेंटर) और मैथ (मशीन लर्निंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी हब) जैसी संस्थाओं की मेजबानी एवं पोषण करता है।

अहमदाबाद मंडल में माल ढुलाई बढ़ाने को लेकर रेल प्रशासन की महत्वपूर्ण बैठक

सूत्र/रे.स.ब्यू - अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (DRM) के नेतृत्व में प्रमुख माल ग्राहकों और लॉजिस्टिक साझेदारों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य माल लोडिंग में वृद्धि और नए ट्रैफिक अवसरों की संभावनाओं पर रणनीतिक चर्चा करना था। बैठक के दौरान टर्मिनल सुविधाओं में सुधार, वैगन उपलब्धता बढ़ाने तथा लॉजिस्टिक समन्वय को और मजबूत बनाने पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। रेल अधिकारियों ने कहा कि इन कदमों से न केवल माल ढुलाई की दक्षता बढ़ेगी, बल्कि उद्योगों और व्यापारिक साझेदारों को भी प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

बैठक में उपस्थित हितधारकों ने अपने अनुभवों और आवश्यकताओं के आधार पर कई उपयोगी सुझाव साझा किए। सभी ने रेल प्रशासन के साथ सहयोग को और सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता जताई, ताकि माल संचालन को अधिक तेज, सुरक्षित और प्रभावी बनाया जा सके।

भारत को 'प्राणमय भारत' बनने के लिए प्रयास करना चाहिए - ज्ञान का एक जीवंत भंडार: श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत

संस्कृति मंत्रालय ने ज्ञान भारतम पहल के तहत 17 अग्रणी संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

सूत्र/रे.स.ब्यू - संस्कृति मंत्रालय की प्रमुख पहल, ज्ञान भारतम, ने देश भर के १७ प्रमुख संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (जयपुर हाउस) में आयोजित यह समारोह, राष्ट्र की पांडुलिपि विरासत की सुरक्षा, संरक्षण और पुनरुद्धार के भारत के सामूहिक प्रयास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम का प्रतीक था।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी शामिल हुए और ज्ञान भारतम् की प्रशंसा करते हुए इसे एक दूरदर्शी पहल बताया जिसका उद्देश्य भारत की प्राचीन पांडुलिपियों को समझना और समकालीन समय में उनकी स्थायी प्रासंगिकता को पुनः स्थापित करना है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यह पहल भारत की अपनी पांडुलिपि संपदा को भावी पीढ़ियों तक पहुँचाने की सांस्कृतिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

श्री शेखावत ने भारत को एक "प्राणमय भारत" - जीवंत ज्ञान से जीवंत राष्ट्र-में बदलने के अपने दृष्टिकोण को भी साझा किया और इस बात पर जोर दिया कि प्रगति की खोज में, गति के लिए गुणवत्ता से कभी समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

कार्यवाही की शुरुआत संस्कृति मंत्रालय के सचिव के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पांडुलिपि संरक्षण का मिशन ज्ञान और एकता के माध्यम से राष्ट्र को प्रकाशमान करने की सटीकता और दृढ़संकल्प के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

इसके बाद संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री समर नंदा ने अपने संबोधन में संस्थागत प्रतिनिधियों को मंच पर आमंत्रित किया, ताकि ज्ञान भारतम परिवार के विस्तार के प्रतीक के रूप में समझौता ज्ञापनों का औपचारिक आदान-प्रदान किया जा सके।

ज्ञान भारतम ढाँचे के अंतर्गत, प्रमुख कार्यान्वयन भागीदारों के रूप में पूरे भारत में 12 क्लस्टर केंद्र और 5 स्वतंत्र केंद्र स्थापित किए गए हैं। ये केंद्र इस पहल के पाँच प्रमुख कार्यक्षेत्रों को आगे बढ़ाएँगे

- **सर्वेक्षण और कैटल गिंग**
- **संरक्षण और क्षमता निर्माण**
- **प्रौद्योगिकी और डिजिटलीकरण**
- **भाषा विज्ञान और अनुवाद**
- **अनुसंधान, प्रकाशन और प्रसार कार्य**

भारत की पाण्डुलिपि विरासत को पुनर्जीवित करने के मिशन में क्षेत्रीय समन्वय और संस्थागत स्वायत्तता दोनों सुनिश्चित करना।

केंद्रीय बजट 2025-26 (अनुच्छेद 84) में घोषित, ज्ञान भारत, मंत्रालय की प्रमुख पहल है जो भारत की विशाल पांडुलिपि विरासत की पहचान, दस्तावेजीकरण, संरक्षण, डिजिटली-करण और संवर्धन के लिए समर्पित है। इस पहल का उद्देश्य इस अमूल्य विरासत को राष्ट्रीय और वैश्विक, दोनों ही मंचों पर सुलभ बनाने के लिए एक राष्ट्रीय डिजिटल भंडार (एनडीआर) का निर्माण करना है।

शाम का समापन दिल्ली घराने के सैयद साहिल आगा और निजाम प्रेमी द्वारा प्रस्तुत दास्तानगोई संगीत प्रस्तुति ''मेरे कबीर'' के साथ हुआ, जिसमें भारत की गहन आध्यात्मिक और साहित्यिक परंपराओं का जश्न मनाया गया। इस प्रस्तुति के बाद गणमान्य अतिथियों और अतिथियों के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया गया।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण में एक मील का पत्थर है, जो संरक्षण को सहभागिता में और अभिलेखों को ज्ञान एवं प्रेरणा के जीवंत स्रोतों में परिवर्तित करता है। ज्ञान भारतम् के माध्यम से, भारत आने वाली पीढ़ियों के लिए अपनी कालातीत बौद्धिक और आध्यात्मिक विरासत को सुरक्षित रखने की अपनी स्थायी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

Scanned with OKEN Scanner

हमारा लक्ष्य आयुर्वेद आहार को वैश्विक पोषण का अभिन्न अंग बनाना है: केंद्रीय आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव

- आयुर्वेद आहार सूची स्टार्टअप्स को सशक्त बनाएगी और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से निपटेगी: सचिव, आयुष मंत्रालय
- मंत्रालय और एफएसएसएआई ने आयुर्वेद–आधारित पोषण को बढ़ावा देने के लिए सहयोगात्मक प्रयासों को आगे बढ़ाया

सूत्र/रे.स.ब्यू- विश्व खाद्य दिवस 2025 ''बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य के लिए हाथ मिलाना'' थीम के तहत मनाया जा रहा है। आयुष मंत्रालय 'आयुर्वेद आहार' जैसी अभूतपूर्व पहलों के माध्यम से एक स्वस्थ और अधिक टिकाऊ पृथ्वी को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहरा रहा है।

'आयुर्वेद आहार' भारत का अनूठा खाद्य दर्शन है जो संतुलन, कल्याण और प्रकृति में निहित है।

भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने आयुष मंत्रालय के परामर्श से, हाल ही में श्रेणी 'ए' के अंतर्गत आयुर्वेद आहार उत्पादों की एक सूची जारी की है। यह सूची प्रामाणिक आयुर्वेदिक आहार तैयारियों के लिए पहला व्यापक संदर्भ ढाँचा प्रदान करती है। प्रामाणिक शास्त्रीय ग्रंथों पर आधारित इस सूची से आयुर्वेद-आधारित पोषण में वृद्धि, गुणवत्ता और वैश्विक विश्वास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि एफएसएसएआई के साथ सहयोग के माध्यम से, हमारा लक्ष्य आयुर्वेद आहार को वैश्विक पोषण का एक अभिन्न अंग बनाना है और यह सुनिश्चित करना कि बेहतर खाद्य पदार्थ एक बेहतर, रोगमुक्त भविष्य का निर्माण करें।

एफएस एसएआई द्वारा अधिसूचित आयुर्वेद आहार नियम, भारत के पारंपरिक स्वास्थ्य ज्ञान को आधुनिक खाद्य सुरक्षा मानकों के साथ एकीकृत कर रहे हैं।

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि आयुर्वेद आहार ढाँचा निर्माताओं के लिए स्पष्टता और उपभोक्ताओं में विश्वास लाता है। उन्होंने इसे स्वास्थ्यवर्धक खाद्य क्षेत्र में स्टार्टअप्स और नवाचार के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन बताया, जहाँ आयुर्वेद का ज्ञान जीवनशैली से संबंधित विकारों की बढ़ती प्रवृत्ति को रोकने में मदद कर सकता है जो गैर-संचारी रोगों का कारण बनते हैं। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए) के प्रोफेसर अनुपम श्रीवास्तव ने इस सहयोग को स्थायी और सचेतन आहार पद्धतियों का मार्गदर्शन करने का एक उदाहरण बताया।

ब्राजील के उपराष्ट्रपति महामहिम श्री गेराल्डो अल्कमिन ने नई दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान का दौरा किया, आयुर्वेद को स्वास्थ्य और ज्ञान का 5,000 वर्ष पुराना खजाना बताया

सूत्र/रे.स.ब्यू- ब्राजील संघीय गणराज्य के उपराष्ट्रपति महामहिम श्री गेराल्डो अल्कमिन ने भारत की आधिकारिक यात्रा के दौरान नई दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआई आईए) का दौरा किया।

इस अवसर पर, श्री गेराल्डो अल्कमिन ने पारंपरिक और एकीकृत स्वास्थ्य प्रणालियों को बढ़ावा देने में भारत के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा, ''आयुर्वेद स्वास्थ्य और ज्ञान का 5,000 वर्ष पुराना खजाना है।'' उन्होंने यह भी कहा कि ''निवारक और सतत स्वास्थ्य सेवा के लिए दुनिया को आयुर्वेद के शाश्वत ज्ञान की आवश्यकता है।'' उन्होंने आयुर्वेद की वैश्विक प्रासंगिकता को स्वीकार करते हुए मजाकिया अंदाज में कहा कि यदि यह यात्रा छोटी न होती, तो वह निश्चित रूप से अपनी पीठ दर्द का इलाज एआईआईए में करवाते।

उपराष्ट्रपति के साथ उनकी पत्नी सुश्री मारिया लूसिया अल्कमिन और 14 अधिकारियों का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया था। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा और एआईआईए के निदेशक प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने उनका स्वागत किया। वैद्य राजेश कोटेचा ने पारंपरिक चिकित्सा, एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान और कल्याण उद्योगों के क्षेत्र में भारत और ब्राजील के बीच अधिक सहयोग का आग्रह किया।

इस यात्रा के दौरान, उपराष्ट्रपति को आयुर्वेद शिक्षा, नैदानिक सेवाओं और उन्नत अनुसंधान में एआईआईए के अग्रणी योगदान का अवलोकन कराया गया। यह यात्रा मौजूदा समझौता ज्ञापनों (एमओयू) के माध्यम से दोनों देशों के बीच चल रहे सहयोग की पुष्टि करती है, जो पारंपरिक चिकित्सा में शैक्षणिक आदान-प्रदान, संयुक्त अनुसंधान और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देते हैं। एआईआईए का वर्तमान में ब्राजील के तीन प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ अनुसंधान और शैक्षणिक सहयोग है।

''निवारक और सतत स्वास्थ्य सेवा के लिए दुनिया को आयुर्वेद के शाश्वत ज्ञान की आवश्यकता है'' : श्री गेराल्डो अल्कमिन
''अगर यह छोटी सी यात्रा न होती, तो मैं निश्चित रूप से अपनी पीठ दर्द का उपचार एआईआईए में करवाता'': श्री गेराल्डो अल्कमिन

भारत और ब्राजील, दोनों का ही प्राचीन ज्ञान पर आधारित और आधुनिक विज्ञान द्वारा प्रमाणित स्थायी स्वास्थ्य सेवा मॉडल विकसित करने के लिए एक समान दृष्टिकोण है।

विश्व स्ट्रोक दिवस 2025: आयुष मंत्रालय ने स्ट्रोक प्रबंधन के लिए निवारक और समग्र देखभाल के तरीकों पर प्रकाश डाला

सूत्र/रे.स.ब्यू- विश्व स्ट्रोक दिवस पर, आयुष मंत्रालय स्ट्रोक के लिए समग्र, निवारक और पुनर्वास देखभाल प्रदान करने में आयुष प्रणालियों की भूमिका पर प्रकाश डालता है जो भारत में मृत्यु और दिव्यांगता के प्रमुख कारणों में से एक है।

आयुष मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने बताया कि निवारक देखभाल और दीर्घकालिक पुनर्वास पर जोर देने वाली आयुष प्रणालियां, पारंपरिक स्ट्रोक प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि आयुष प्रणालियां सामूहिक रूप से स्ट्रोक जैसे जटिल तंत्रिका संबंधी विकारों को समझने और प्रबंधित करने के लिए एक समग्र ढांचा प्रदान करती हैं। मंत्रालय सहयोगात्मक और अनुवादात्मक अनुसंधान को आगे बढ़ा रहा है ताकि आयुष-आधारित हस्तक्षेपों की चिकित्सीय क्षमता को वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित किया जा सके।

स्ट्रोक, जिसे अक्सर ''ब्रेन अटैक'' कहा जाता है, मस्तिष्क की रक्त आपूर्ति में अचानक रुकावट (इस्केमिक स्ट्रोक) या रक्तस्राव (रक्तस्रावी स्ट्रोक) के कारण होता है। आयुर्वेद में, स्ट्रोक को वात दोष के असंतुलन के कारण होने वाला तंत्रिका संबंधी विकार माना जाता है। आयुर्वेदिक प्रबंधन निवारक, विषहरण और पुनर्स्थापन चिकित्सा के माध्यम से संतुलन बहाल करने पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य रक्त संचार और तंत्रिका कार्य में सुधार लाना है।

अनेक अध्ययनों ने स्ट्रोक प्रबंधन में सहायक चिकित्सा के रूप में होम्योपैथी की प्रभावशीलता को भी दर्शाया है। आयुष प्रणालियां रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने, पुनरावृत्ति को कम करने और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार लाने पर भी केंद्रित हैं, जो स्ट्रोक जैसी गैर-संचारी बीमारियों के बोझ को कम करने के लिए एकीकृत दृष्टिकोणों को बढ़ावा देती हैं।

आयुष डिप्लोमेसी आर्कटिक पहुंची: भारत रेक्जाविक सभा में एकीकृत स्वास्थ्य सहयोग का समर्थक

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय प्रतिनिधिमंडल में, केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के महानिदेशक प्रोफेसर (वैद्य) रबीनारायण आचार्य और आयुष मंत्रालय के संयुक्त सलाहकार (होम्योपैथी) डॉ. श्रीनिवास राव चिंता ने आइसलैंड के रेक्जाविक में आयोजित आर्कटिक सर्कल असेंबली-2025 में भाग लिया।

''आर्कटिक में ग्लोबल साउथ की भूमिका और महत्व'' शीर्षक वाले पूर्ण सत्र के दौरान प्रो. आचार्य ने अपनी व्यापक आर्कटिक नीति के अंतर्गत आर्कटिक क्षेत्र में भारत की सक्रिय भागीदारी पर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की बढ़ती प्रासंगिकता और आर्कटिक जैसे चरम इकोसिस्टम में भी स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में आयुष हस्तक्षेपों की क्षमता पर प्रकाश डाला।

प्रो. आचार्य ने पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों और आर्कटिक अनुसंधान के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए एक दूरदर्शी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उन्होंने आर्कटिक परिवेश में बहु-विषयक अवधारणा-सिद्धांत नैदानिक परीक्षणों की शुरुआत, आर्कटिक नीति संरचना के अंतर्गत एक संयुक्त अनुसंधान संघ की स्थापना, और अंतर-सांस्कृतिक आयुष वितरण एवं सुरक्षा निगरानी में क्षमता विकास का प्रस्ताव रखा। उन्होंने पारंपरिक और आधुनिक चिकित्सा के बीच सेतु बनाने के लिए ठोस वैज्ञानिक प्रमाण प्रकाशित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

आयुष मंत्रालय के प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी वैश्विक स्थिरता और स्वास्थ्य संवादों में आयुष-आधारित साक्ष्य, नवाचार और कूटनीति को एकीकृत करने की भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह भागीदारी आर्कटिक नीति ढाँचे के अंतर्गत समग्र स्वास्थ्य, वैज्ञानिक सहयोग और लोगों के बीच साझेदारी को बढ़ावा देने वाले एक जिम्मेदार हितधारक के रूप में भारत की स्थिति की पुष्टि करती है। इस सत्र में भारत सरकार के पोलर कॉर्डिनेटर रियर एडमिरल टीवीएन प्रसन्ना, एनसीपीओआर के वैज्ञानिक-एफ मनीष तिवारी और यूएई के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

आइए, इस सर्दी को 'बीमारी-मुक्त' और 'इम्यूनिटी-युक्त' बनाएँ!

ठंड का मौसम, जिसे अक्सर 'स्वास्थ्य बनाने का मौसम' कहा जाता है, अपने साथ ताजगी, नई ऊर्जा और खुशनुमा माहौल लेकर आता है। लेकिन इसी मौसम में हवा में नमी और तापमान में गिरावट के कारण मौसमी फ्लू, सर्दी, खाँसी और गले में संक्रमण (Infection) का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में, यदि हम चाहते हैं कि यह सर्दी हमारे लिए 'बीमारी-मुक्त' और 'इम्यूनिटी-युक्त' हो, तो हमें एक सक्रिय और समग्र स्वास्थ्य रणनीति अपनानी होगी।

रोग प्रतिरोधक क्षमता (Immunity) ही असली ढाल

सर्दी में बीमारियाँ फैलने का मुख्य कारण है हमारी कमजोर प्रतिरोधक क्षमता। ठंड में शरीर को गर्म रखने और संक्रमण से लड़ने के लिए अंदरूनी शक्ति की जरूरत होती है।

पौष्टिक आहार को प्राथमिकता दें:

विटामिन* C *युक्त खाद्य: नींबू, संतरा, आंवला और अमरूद को अपने दैनिक आहार में शामिल करें। ये विटामिन C के भंडार हैं और इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं।

मसाले: अपनी रसोई के मसालों, जैसे हल्दी, अदरक, दालचीनी, और काली मिर्च का उपयोग बढ़ाएँ। हल्दी वाला दूध रात में पीने से शरीर को अंदरूनी गर्माहट मिलती है और संक्रमण से बचाव होता है।

गुड फैट्स: बादाम, अखरोट और बीज (Seeds) ओमेगा-3 फैटी एसिड प्रदान करते हैं, जो सूजन (Inflammation) को कम करने में सहायक हैं।

काढ़ा: प्राकृतिक सुरक्षा का बूस्टर

पारंपरिक भारतीय पेय काढ़ा सर्दी के मौसम का सबसे शक्तिशाली हथियार है। यह सिर्फ एक घरेलू उपचार नहीं है, बल्कि यह आयुर्वेद का वरदान है।

क्यों है जरूरी: काढ़ा शरीर में गर्मी पैदा करता है, कफ को पिघलाता है और गले की खराश से राहत दिलाता है।

बनाने की विधि: अदरक, तुलसी के पत्ते, काली मिर्च, लौंग और गुड़ को पानी में अच्छी तरह उबालें और छानकर पिएँ।

पर्याप्त हाइड्रेशन: अंदरूनी सफाई

अक्सर लोग ठंड में पानी पीना कम कर देते हैं, जो एक बड़ी गलती है। शरीर को डिटॉक्स (Detoxify) करने और पाचन (Digestion) को दुरुस्त रखने के लिए पानी जरूरी है।

गुनगुना पानी: पूरे दिन गुनगुना पानी पिएँ। यह गले को साफ रखने में मदद करता है।

हर्बल टी: साधारण चाय के बजाय अदरक, नींबू और शहद वाली हर्बल टी या ग्रीन टी का सेवन करें।

धूप और हवा: प्रकृति से जुड़ें

ठंड के कारण लोग घरों के अंदर बंद रहना पसंद करते हैं, लेकिन खुली हवा और धूप से दूरी नुकसानदायक है।

***विटामिन* D:** सुबह की हल्की धूप विटामिन D का सबसे अच्छा स्रोत है, जो न केवल हड्डियों के लिए, बल्कि इम्यूनिटी के लिए भी महत्वपूर्ण है।

व्यायाम: ठंड में आलस्य छोड़कर रोजाना योग या हल्की-फुल्की कसरत करें। यह रक्त संचार (Blood Circulation) को बेहतर बनाता है और शरीर को गर्म रखता है।

तनाव प्रबंधन और पूरी नींद

तनाव (Stress) आपकी इम्यूनिटी का सबसे बड़ा दुश्मन है। लंबे समय तक तनाव में रहने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है।

पूरी नींद: हर रात 7-8 घंटे की गहरी नींद लें। सोते समय ही शरीर खुद को रिपेयर (Repair) करता है और अगले दिन के लिए तैयार करता है।

ध्यान (Meditation): तनाव को कम करने के लिए रोजाना 10-15 मिनट ध्यान करें।

निष्कर्ष: स्वास्थ्य आपका संकल्प

इस सर्दी, आइए हम संकल्प लें कि हम अपने स्वास्थ्य को किसी भी कीमत पर प्राथमिकता देंगे। छोटे-छोटे, लेकिन नियमित प्रयास-सही आहार, काढ़े का सेवन, व्यायाम और पर्याप्त आराम-हमें इस मौसम में बीमार पड़ने से बचा सकते हैं।

अपनी दादी-नानी के नुस्खों को अपनाकर और आधुनिक स्वास्थ्य ज्ञान का उपयोग करके, हम निश्चित रूप से इस सर्दी को 'बीमारी-मुक्त' और 'इम्यूनिटी-युक्त' बना सकते हैं।

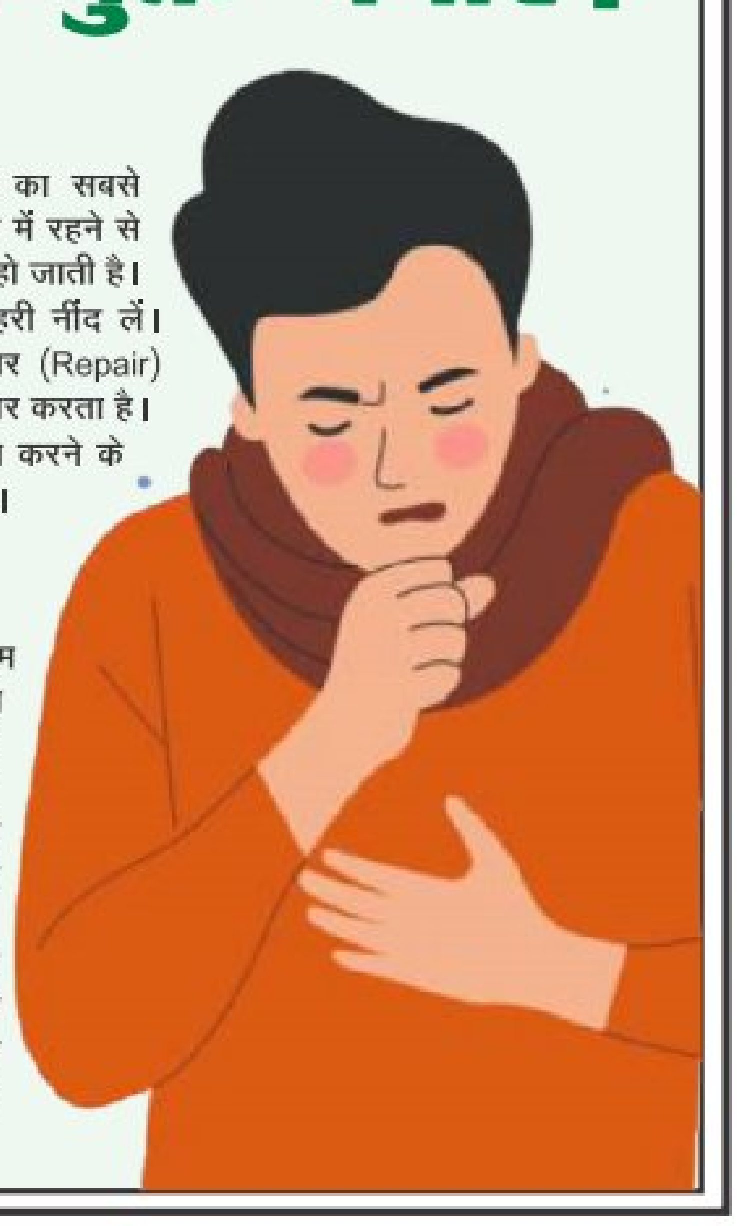

Scanned with OKEN Scanner

Anil Kumar Gupta Takes Charge as General Manager of CLW

Source/RSB - Shri Anil Kumar Gupta, has taken over the charge as the General Manager of Chittaranjan Locomotive Works (CLW) with effect from 29 October, 2025. He is also Principal Chief Administrative Officer (PCAO) at Rail Wheel Plant /Bela.

Shri Anil Kumar Gupta is an officer of the Indian Railways Service of Mechanical Engineer (IRSME) belonging to 1988 batch.

Throughout his illustrious career spanning over 35 years, he has held several crucial positions over the Indian Railways & has made significant contributions. He was Senior Deputy General Manager (SDGM) at North Western Railway (NWR).

DFCCIL Conducts Successful Trial Run of First Goods Train Between New Saphale and Kharbav on WDFC

Source/RSB- The Dedicated Freight Corridor Corporation of India Limited (DFCCIL) achieved a major milestone with the successful trial run of the first goods train between New Saphale and Kharbav (IR) stations on the Western Dedicated Freight Corridor (WDFC).

The inaugural run was flagged off by Shri Praveen Kumar, Managing Director, DFCCIL, in the presence of Shri Shobhit Bhatnagar, Director (OP&BD); Shri Anurag Sharma, Director (Infrastructure); and Shri Parmod Kumar, CVO, along with other senior officials.

This significant achievement marks a crucial step towards the operational readiness and near completion of the corridor, designed to revolutionize freight movement across India's western industrial belt.

The Vaitarna–Kharbav stretch, part of the JNPT– Vaitarna section, plays a pivotal role in enhancing port-hinterland connectivity & enabling faster movement of high-volume cargo to & from the Jawaharlal Nehru Port (JNPT) - one of India's busiest gate-ways for international trade.

RailTel posts Total Income of Rs 966 Crore in Q2 of FY26 with a Q-o-Q growth of 27%. Declares interim Dividend of Re. 1/ per share .

Source/RailTel- RailTel announced its financial results for the Second Quarter of Fiscal Year 2025-26 (Q2 FY26) following its 156th Board Meeting held on October 29, 2025. The company reported significant quarter-on-quarter (QoQ) growth in both revenue and profit.

The Operating Income for Q2 FY26 was Rs. 951 Crore, registering a QoQ growth of 28%. The Total Income reached Rs. 966 Crore, an increase of 27% QoQ.

Profitability also saw a healthy surge. Profit Before Tax (PBT) in Q2 FY26 was Rs. 105 Crore, up 18% against Rs. 89 Crore in Q1 FY26. Total Profit After Tax (PAT) stood at Rs. 76 Crore, registering a QoQ growth of 15% compared to Rs. 66 Crore in Q1 Fy26.

For the half year (H1) ended September 30, 2025, the company achieved a total Income of Rs 1724 Crore and a total PAT of Rs. 142 Crore, registering 20% and 17% Year-on-Year (YoY) growth, respectively.

The Board of Directors also declared an interim dividend of Re. 1/- per share for FY 2025-26.

Shri Sanjai Kumar, Chairman and Managing Director of RailTel, noted that the company is celebrating 25 years of its journey with consistent growth and solid profits. He highlighted that with a robust order book of Rs. 8251 Cr, RailTel is well-positioned for further expansion and contributions to the nation's digital landscape.

CMRL Signs ₹48.33-Crore Contract with Faiveley for Advanced Anti-Drag Door Safety System

Source/RSB-Chennai Metro Rail Limited (CMRL) has signed a ₹48.33-crore contract with Faiveley Transport Rail Technologies India to design and install an advanced Anti-Drag Passenger Door Safety System across 52 trains operating in Phase-1 of the network.

The upgraded system is aimed at significantly enhancing passenger safety by preventing accidental dragging incidents during door closure. CMRL officials noted that the technology will offer an added layer of protection, particularly benefiting women commuters and other vulnerable passengers.

The installation of the new system marks a major step in CM-RL's ongoing efforts to improve safety standards and modernize its train operations.

RITES Promotes AI-Driven Innovation Through Workshop at Abhikalp Centre of Excellence

Source/RITES- In a major step toward fostering innovation and digital transformation in the railway sector, RITES Ltd, through its Abhikalp – Centre of Excellence, organised a dedicated workshop to showcase its latest Artificial Intelligence (AI) initiatives aimed at advancing operational efficiency & safety.

The workshop underlined RITES' ongoing commitment to nurturing a culture of technological innovation within the organisation and the Indian railway ecosystem. Among the highlights was VISTAR (Visual Inspection System through AI for Rails) — a state-of-the-art solution designed to enhance precision, reliability, and data-driven quality assurance in rail inspection and maintenance. The AI-enabled platform automates visual inspection processes, enabling faster detection of anomalies, improving accuracy, and reducing manual intervention. This not only strengthens asset monitoring but also contributes to predictive maintenance, thereby minimising downtime & enhancing network safety.

Railways to Take Strict Action Against Circulation of Old & Fake Videos: Minister

FAKE NEWS

Source/RSB -The Indian Railways will initiate stringent action against individuals circulating old or misleading videos targeting railway operations on social media, Union Railway Minister Ashwini Vaishnaw said.

During a surprise inspection at Delhi's Anand Vihar railway station amid the ongoing festive rush, the minister reviewed passenger arrangements and operational preparedness. He emphasized that misinformation, particularly in the form of outdated or fake videos, can create unnecessary panic and confusion among travelers. Urging citizens to act responsibly, Vaishnaw appealed to the public to refrain from sharing unverified content related to the Railways. He reiterated that the ministry remains committed to ensuring safe, smooth, and efficient travel for all passengers during the festive season.

Texmaco Rail & Engineering Ltd.

Texmaco Rail bags orders worth Rs 78cr from Maharashtra - Metro, Central Railway

Source/RSB- Texmaco Rail & Engineering Ltd has secured infrastructure contracts worth over Rs 78 crore from the Maharashtra Metro Rail Corporation Ltd (Maha-Metro) and the Central Railway.

The Rs 44.61-crore Maha-Metro contract covers the design, supply, installation, testing and commissioning of critical systems for the PCMC - Nigdi elevated extension of the Pune Metro, a statement said.

The work includes a 25kV flexible overhead catenary system, 25kV sectioning posts, a 33kV auxiliary substation and SCADA systems, scheduled for completion in 110 weeks.

NCRTC's Anand Vihar Namo Bharat Underground Station Gets IGBC Platinum Rating

Source/RSB-NCRTC has been awarded the Platinum Rating by the Indian Green Building Council (IGBC) for the Anand Vihar Namo Bharat (Underground) Station. Platinum is the highest rating under the IGBC Green Certification and recognizes the station's strong commitment to sustainability.

This certification was based on six environmental categories as defined by the IGBC Green Mass Rapid Transit System Rating, which include Site Selection & Planning, Water Efficiency, Energy Efficiency, Material Conservation, Indoor Environment & Comfort, and Innovation in Design & Construction. NCRTC has successfully addressed each of these areas, which contributed to Anand Vihar Station achieving the Platinum Rating.

DELHI METRO RAIL CORPORATION (DMRC) SIGNS MOU WITH MAPPLS MAPMYINDIA TO INTEGRATE METRO DATA INTO THE MAPPLS APP

Source/DMRC- The Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) signed a Memorandum of Understanding (MoU) with Mappls MapmyIndia, one of India's leading digital mapping and geospatial technology companies, to integrate DMRC's API within the Mappls App.

As per the MoU, DMRC's Metro data will now be integrated with the Mappls platform to enhance commuter convenience across Delhi-NCR. Over 35 million Mappls app users will soon be able to access detailed metro information including nearby stations, routes, fares, line changes, train frequencies, and travel times directly within the Mappls App.

• 35 Million+ Mappls App Users to access real-time Delhi Metro information like routes, fares, and train frequencies at a glance

• Enhanced commuter convenience, making metro travel smarter, faster, and hassle-free across the Delhi NCR

Commenting on the partnership, Dr. Vikas Kumar, Managing Director, Delhi Metro Rail Corporation (DMRC), said: "Delhi Metro is committed to enhancing commuter convenience through innovation and technology. The integration of DMRC's metro data with the Mappls app will make travel across NCR smarter and seamless — enabling commuters to plan better, navigate easily, and save time. This collaboration marks another step toward building a smarter, safer, and more connected public transport ecosystem."

Mr. Rakesh Verma, Co-Founder, Managing Director, & Group Chairman, MapmyIndia, added: "Soon the DMRC data will get integrated into the multi-modal transport feature of the Mappls app, making travel across the Delhi NCR faster, smarter and seamless. The signing of the MoU with DMRC comes at the heels of the recent announcement by the Hon'ble Minister for Railways, Electronics & IT, Shri Ashwini Vaishnaw regarding an MoU between Indian Railways & Mappls MapmyIndia. This is a strong step towards the signing of the MoU with the Indian Railways as envisaged / tweeted by Shri Ashwini Vaishnav. We are proud to be recognized as India's premier location tech provider by some of highest echelons in the Indian Government. We promise to deliver more of Swadeshi tech that is world class and work towards the realization of an Aatmanirbhar Viksit Bharat."

The initiative also promotes transparency, accessibility, and citizen participation through Mappls App's advanced Traffic and Public Engagement Platform. With this integration, the Mappls App will not only guide metro commuters but also help citizens locate nearby government services, receive optimized routes with estimated travel times, and report real-time civic and traffic issues such as congestion, accidents, parking challenges, or waterlogging, all directly from their smartphones.

These citizendriven inputs will be shared instantly with relevant authorities, ensuring faster responses, proactive traffic management, and improved urban mobility across the region. The Mappls platform will further enhance public safety by providing realtime alerts on road incidents, accidents, or breakdowns, while helping emergency services respond faster and keeping Delhi-NCR's roads safer and more efficient for everyone.

GENERAL MANAGER LAUNCHES IMPROVED AAMAR KOLKATA METRO APP

Source/RSB - Shri Subhransu Sekhar Mishra, General Manager, Metro Railway launched the improved Aamar Kolkata Metro App to provide additional payment facility with HDFC Smart Gateway on 20.10.2025 on the occasion of Kali Puja and Deepavali in presence of senior officers of Metro Railway, and CRIS . This will help Metro commuters to complete their ticket payment process faster with wider payment facilities including UPI Intent.

Shri Ravneet Singh Bittu Reviews Festive-Season Preparedness at Ambala & Ludhiana Railway Stations

Source/RSB- In a proactive move to ensure seamless travel during the festive rush, Minister of State for Railways Shri Ravneet Singh Bittu carried out a detailed inspection of Ambala and Ludhiana Railway Stations.

Accompanied by senior railway officials, the Minister reviewed crowd management arrangements, operational readiness, and overall station preparedness. The visit focused on assessing real-time measures taken to maintain passenger safety, comfort, and efficient train operations during one of the busiest travel periods of the year.

Shri Bittu emphasized that passenger safety remains the top priority, especially during the festive season when footfall increases significantly. He closely examined the implementation of on-ground strategies such as regulated passenger flow, enhanced security presence, and rapid-response systems to handle rush-hour movement.

Reiterating the Railways' commitment, the Minister said that the focus is to ensure "a smooth and safe journey for every traveler." He affirmed that the Railways is fully dedicated to strengthening ground-level preparedness and delivering a secure and comfortable travel experience.

CONCOR Signs Two Strategic MoUs with Adani Cement for Rail-Based Bulk Cement Transportation

Source/RSB- Container Corporation of India (CONCOR) has entered into two strategic Memorandums of Understanding (MoUs) with Adani Cement to enable the rail-based movement of bulk cement through specialized tank containers. Under these agreements, CONCOR will deploy dedicated container rakes across key corridors, leveraging its network and multimodal expertise to shift cargo from road to rail and promote sustainable, efficient logistics.

According to CONCOR, the partnership is poised to deliver several strategic gains, including optimized use of both organisations' terminal networks, lower logistics costs, and faster, more reliable supply chains. The shift to rail transport is also expected to reduce road congestion, enhance network resilience, and significantly cut CO_2 emissions- supporting India's netzero vision and aligning with the National Logistics Policy.

The scalable model developed through these MoUs aims to set a new benchmark for bulk logistics and offers potential for replication across other sectors. The MoUs were signed on 24 October 2025 in New Delhi, in the presence of Shri Sanjay Swarup, CMD, CONCOR, and Shri Vinod Bahety, CEO, Adani Cement, along with directors and senior officers from both organisations.

RVNL Secures ₹40.41 Crore Signalling and Telecom Maintenance Deal in Ahmedabad Division

Source/RSB- Rail Vikas Nigam Limited (RVNL) has been awarded a significant signalling and telecommunication (S&T) maintenance contract by Western Railway, aimed at ensuring the smooth functioning of critical railway communication and control systems in the Ahmedabad Division. Valued at ₹40.41 crore, the contract encompasses the round-the-clock deployment of skilled manpower dedicated to the maintenance, repair, and overall upkeep of Western Railway's S&T infrastructure. The agreement will be executed over a 24-month period, reflecting RVNL's expanding role in operational support and technical maintenance services within the Indian Railways network.

Shri Sachinder Mohan Sharma Takes Charge as Principal Executive Director (Mechanical Engineering - Coaching), Railway Board

Source/RSB - Shri Sachinder Mohan Sharma has been appointed as the Principal Executive Director (Mechanical Engineering – Coaching) in the Railway Board, following his elevation to the Higher Administrative Grade (HAG). Cleared with presidential approval, the appointment marks a key leadership addition to the Board's mechanical engineering directorate.

Bringing over three decades of experience in railway operations, mechanical systems, policy formulation, and innovation strategy, Shri Sharma is widely regarded for his foresight and commitment to public service. His promotion stands as a recognition of a career distinguished by professional excellence and sustained contributions to the Indian Railways.

Scanned with OKEN Scanner